राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण मंगलवार, 30 अगस्त 2022 वर्ष-5,अंक-213 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने ध्यानचंद की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली । उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने जाने-माने हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित कर कहा कि देश के खिलाड़ियों ने अपने परिश्रम और अपनी प्रतिबद्धता से हमेशा राष्ट्र को गौरवान्वित किया है। ध्यानचंद की जयंती पर हर वर्ष 29 अगस्त को खेल दिवस मनाया जाता है। उपराष्ट्रपति कार्यालय से जारी ट्वीट में धनखड़ ने कहा, ''हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती पर मेरी श्रद्धांजलि। उनकी जयंती को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में भी मनाया जाता है।'' उन्होंने कहा, ''हमारे खिलाड़ियों ने अपने परिश्रम और अपनी प्रतिबद्धता से हमेशा देश का गौरव बढ़ाया है। मैं कामना करता हूं कि वे चमकते रहें और देश का नाम रोशन करते रहें।''

ज्ञानवापी की तरह मथुरा में भी कराई जाए वीडियोग्राफी : इलाहाबाद हाईकोर्ट

इलाहाबाद । इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ज्ञानवापी की तरह मथुरा में भी वीडियोग्राफी सर्वे कराने का निर्देश दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट में जस्टिस पीयूष अग्रवाल की पीठ ने यह आदेश दिया है। हाई कोर्ट की तरफ से 4 महीने में वीडियोग्राफी कराने का आदेश दिया गया। इसके साथ ही चार महीने में सर्वे करारकर रिपोर्ट हाई कोर्ट में दाखिल करने के निर्देश दिए गए हैं। सर्वे कमीशन में एक वरिष्ठ अधिवक्ता, कमिश्नर और दो अधिवक्ता सहायक कमिश्नर के साथ वादी और प्रतिवादी के साथ सक्षम अधिकारी शामिल होंगे। चार महीने में वीडियोग्राफी सर्वे होगा और इसके बाद इस रिपोर्ट को दाखिल करना होगा। आदेश दिया गया है कि मथुरा में ज्ञानवापी मंदिर की तरह ही वीडियोग्राफी कराई जानी चाहिए। उस परिसर की वीडियोग्राफी होगी जिसमें वादी-प्रतिवादी, जिला प्रशासनिक अधिकारी समेत सर्वे कमिश्नर का पूरा एक पैनल होगा। यह आदेश हाईकोर्ट की तरफ से मथुरा जिला जज को दिया गया है। बता दें कि लखनऊ की रहने वाली रंजना अग्निहोत्री ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि की 13.37 एकड़ भूमि के स्वामित्व की मांग को लेकर वाद दायर किया था। इसमें श्री कृष्ण जन्मभूमि में बनी शाही ईदगाह मस्जिद को हटाने की भी मांग की गई। कोर्ट में दायर वाद में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मस्थान के पास कटरा केशव देव मंदिर के 13.37 एकड़ के परिसर में मुगल सम्राट औरंगजेब के आदेश पर 1669-70 में कथित तौर पर बनी मस्जिद को हटाने की मांग की गई है।

दिल्ली पुलिस अफसरों के साथ चर्चा करेंगे गृहमंत्री अमित शाह

दिल्ली । दिल्ली पुलिस के नए मुख्यालय बनने के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कई बार दौरा कर चुके हैं। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह 30 अगस्त को एक बार फिर दिल्ली पुलिस मुख्यालय का दौरा करेंगे। बताया जा रहा है कि इस दौरान गृह मंत्री शाह 2024 के एक्शन प्लान और आगामी जी जी-20 समिट को लेकर किए जाने वाले फुलप्रूफ सिक्युरिटी इंतजामों पर चर्चा करेंगे। इस मामले में एक ट्वीट भी दिल्ली पुलिस ने अपने आधिकारिक ट्वीटर हैंडल पर किया और इस संबंध में जानकारी दी है। दिल्ली पुलिस प्रवक्ता के मुताबिक गृह मंत्री अपने दौरे के दौरान कई खास बिंदुओं पर चर्चा करेंगे। इस दौरान वह पुलिसिंग के संबंध में वर्ष 2024 एक्शन प्लान व आगामी जी -20 समिट के दृष्टिगत मजबूत सुरक्षा प्लान समेत अनेक बिंदुओं पर समीक्षा बैठक करेंगे। इस अवसर पर गृह मंत्री सीडब्ल्यूसी एवं वर्ल्ड पुलिस फायर गेम्स सहित अन्य खेलों में मेडल जीतने वाले पुलिसकर्मियों/पुलिस वार्ड्स को सम्मानित भी करेंगे।

सत्ता परिवर्तन के बाद पहली बार अगले महीने दो दिवसीय दौरे पर बिहार जा रहे अमित शाह

पटना । बिहार की सत्ता से विलग कर दिए जाने के बाद नए सियासी माहौल में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पहली बार बिहार दौरे पर आने वाले हैं। आगामी 23 और 24 सितंबर को अमित शाह सीमांचल में रहेंगे। इस दौरान उनका यहां होने वाला कार्यक्रम कई मायनों में महत्वपूर्ण है। 23 सितंबर को अमित शाह पूर्णिया में जनसभा को संबोधित करेंगे। बीजेपी के द्वारा इसकी व्यापक तैयारी की जा रही है। वहीं, इसके अगले दिन यानी 24 सितंबर को अमित शाह किशनगंज में रहेंगे और वहां कई सरकारी कार्यक्रम में शामिल होंगे। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय और उनकी पूरी टीम अभी से सीमांचल में कैंप कर रही है। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता प्रेम रंजन पटेल ने कहा कि सीमांचल और कोशी क्षेत्र आतंकवाद और आईएसआई की गतिविधियों का केंद्र रहा है। अमित शाह के यहां आने के बाद देश की सुरक्षा और बांग्लादेश की सीमाओं को मजबूती मिलेगी। साथ ही यहां विकास का बड़ा आयाम प्राप्त होगा।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी ने हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली । आज भारत के राष्ट्रीय खेल हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती है और देश उनके जन्मदिन को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाता है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के पूर्व हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रीय खेल दिवस 2012 से हर वर्ष 29 अगस्त को मनाया जाता है। इसी दिन दिग्गज खिलाड़ी ध्यानचंद का जन्म हुआ था। पीएम मोदी ने ट्वीट कर लिखा, ''राष्ट्रीय खेल दिवस पर बधाई और मेजर ध्यानचंद को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि.. हाल के वर्ष खेलों के लिए बहुत शानदार रहे हैं.. यह सिलसिला आगे भी जारी रहे.. मेरी कामना है कि देशभर में खेलों की लोकप्रियता यूं ही बढ़ती रहे''.. पीएम ने साथ में एक वीडियो भी डाला है जिसमें भारत के कई दिग्गज खिलाड़ी जैसे मीराबाई चानू, पीवी सिंधु, नीरज चोपड़ा समेत कई दिग्गज खिलाड़ी दिखाई दे रहे हैं।

देश को नफरत की आग में झोंक दिया गयाः राहुल गांधी

(एजेंसी)

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को महंगाई को लेकर केंद्र सरकार पर एक बार फिर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि 2022 तक विश्वगुरू बनने की बात कही गई थी, लेकिन देश को नफरत की आग में झोंक दिया गया। राहुल ने यह भी कहा कि बेरोजगारी, महंगाई और टैक्स के बोझ के तले जनता दबी जा रही है, जिसके खिलाफ कांग्रेस 'भारत जोड़ो' यात्रा शुरू करने जा रही है। उन्होंने फेसबुक पर जारी पोस्ट में कहा, ''महंगाई का जाल तोड़ो, भारत जोड़ो! आज देश में सबसे बड़ी समस्याएं हैं-बेरोजगारी, महंगाई और बढ़ती नफरत। 'बहुत हुई महंगाई की मार' वाला जुमला आप सबको याद ही होगा, लेकिन आज खाद्य पदार्थों पर जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) लगाकर जनता से वसूली की जा रही है।' राहुल ने आरोप लगाया, ''हर साल दो करोड़ युवाओं को रोजगार देने का वादा किया गया था, लेकिन आज देश में 45 वर्षों में सबसे ज्यादा बेरोजगारी है। कहा था, 'हम 2022 तक विश्वगुरु बनेंगे', लेकिन आज देश को नफरत की आग में झोंक दिया गया है।' उन्होंने कहा, ''मुद्दे कई हैं जिन पर बात होनी चाहिए, सवाल उठने चाहिए, जवाब मिलने चाहिए। अगर सरकार द्वारा जनता के मुद्दे उठाने के लिए द्वेष, भय और प्रतिशोध की राजनीति की जाएगी तो हम सब कुछ झेलने के लिए तैयार हैं। सच बोलने के लिए मुझ पर जितने आक्रमण करने हैं, कर लें, मैं पीछे नहीं हटूंगा।' राहुल ने कहा, ''जनता बेरोजगारी, महंगाई और टैक्स के बोझ के तले दबी जा रही है, जिसके खिलाफ हम भारत जोड़ो यात्रा शुरू करने जा रहे हैं। मैं इस लड़ाई में अकेला नहीं हूं, मेरे साथ देश का एक-एक नागरिक है और हम सब मिलकर भारत जोड़ेंगे।

सीडब्ल्यूसी बैठक में सोनिया गांधी के सामने जी-23 नेता आनंद शर्मा ने उठा दिया सवाल

नई दिल्ली ।

शीर्ष नेतृत्व के लिए की जा रही कांग्रेस की कवायद में असंतुष्ट जी 23 नेताओं का हस्तक्षेप देखने को मिल सकता है। कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव के लिए तारीख तय कर दी गई है। रविवार को हुई कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में इस बात पर चर्चा हुई और 17 अक्टूबर को वोटिंग कराने का फैसला लिया गया। 19 अक्टूबर को वोटों की गिनती होगी और रिजल्ट का ऐलान किया जाएगा। यदि कोई एक ही नेता अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए आवेदन करता है तो फिर 8 अक्टूबर को ही रिजल्ट घोषित कर दिया जाएगा। लेकिन इस दौरान भी अलग ही नजारा देखने को मिला। जी-23 ग्रुप के सदस्य और सीनियर नेता आनंद शर्मा ने मीटिंग में इस बात पर ऐतराज जताया कि निचले स्तर पर पदाधिकारियों के लिए चुनाव नहीं होता है। इसके अलावा उन्होंने उन प्रतिनिधियों की लिस्ट भी मुहैया कराने की मांग की, जो अध्यक्ष के चुनाव में हिस्सा लेंगे। इस मीटिंग में सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा ने विदेश से ही वर्चुअल मोड में हिस्सा लिया। इसके अलावा कांग्रेस वर्किंग कमेटी के कुछ सदस्यों ने 24 अकबर रोड से ही हिस्सा लिया। इस दौरान आनंद शर्मा ने चुनाव पर सवाल उठा दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के संविधान के आर्टिकल 8 से 13 में कहा गया गया है कि कांग्रेस की सभी प्राइमरी कमेटियों, बूथ, ब्लॉक और जिला कमेटियों में चुनाव होना चाहिए। उन्होंने इस मामले में सोनिया गांधी से दखल देने की मांग की।

इस पर सोनिया गांधी ने चुनाव समिति के मुखिया मधुसूदन मिस्त्री से कहा कि वह आनंद शर्मा की चिंताओं को दूर करें। आनंद शर्मा ने बताया कि मैंने संविधान के तहत ही बदलाव की मांग की थी। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि सोनिया गांधी ने मेरी बात को सुना और मधुसूदन मिस्त्री से उस पर काम करने को कहा। वहीं मिस्त्री का कहना है कि अध्यक्ष पद के चुनाव में शामिल होने वाले प्रतिनिधियों की लिस्ट प्रत्याशियों की ही मिल सकती है। इसके अलावा लिस्ट की मांग करने वाले नेताओं को यह मुहैया कराई जा सकती है। इस मीटिंग में केसी वेणुगोपाल, मधुसूदन मिस्त्री, जयराम रमेश समेत कई नेता शामिल हुए। बता दें कि आनंद शर्मा भी उस जी-23 ग्रुप का हिस्सा रहे हैं, जिसने सोनिया गांधी को लेटर लिखकर बदलावों की मांग की थी। गुलाम नबी आजाद ने हाल ही में कांग्रेस छोड़ी है और जम्मू-कश्मीर में अपनी पार्टी बनाने का ऐलान किया है। ऐसे में आनंद शर्मा की ओर से सवाल उठाए जाने से इस बात की चर्चा फिर से तेज हो गई है कि क्या जी-23 समूह अब भी कांग्रेस हाईकमान के लिए परेशानी का सबब होगा।

नोएडा- ध्वस्त हो चुके सुपरटेक ट्विन टावरों से उठी धूल को एंटी स्मॉग गन से किया जा रहा साफ

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण की मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रितु माहेश्वरी ने सोमवार को कहा कि ध्वस्त हो चुके सुपरटेक ट्विन टावरों के आसपास आवासीय सोसायटी और सड़कों पर सफाई का काम जोरों पर जारी रहा। सेक्टर 93ए में एमराल्ड कोर्ट और एटीएस विलेज सोसाइटी के कई निवासी रविवार रात घर लौट गए, जबकि कई अन्य लोग सोमवार को लौटे। इन ढांचों को ध्वस्त किये जाने से पहले इनके पास स्थित दो सोसाइटी एमराल्ड कोर्ट और एटीएस विलेज के करीब पांच हज़ार निवासियों को वहां से हटा दिया गया। रविवार को दोपहर दो बजकर 30 मिनट पर दोनों टावर को ध्वस्त करने के लिए 3,700 किलोग्राम से अधिक विस्फोटकों का इस्तेमाल किया गया। केवल 12 सेकंड में ढह गए ढांचों से हजारों टन मलबा निकला और आसपास धुएं का गुबार छा गया। एडिफिस इंजीनियरिंग, जेट डिमोलिशन, केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीबीआरआई) और नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों सहित एक निरीक्षण दल से सुरक्षा मंजूरी के बाद उन्हें (निवासियों को) रविवार शाम सात बजे घर लौटने की अनुमति दी गई। माहेश्वरी ने कहा, रविवार शाम से ही धुलाई के लिए एंटी स्मॉग गन, झाड़ू लगाने वाली मशीनें, पानी के टैंकर और छिड़काव करने वाले उपकरणों को तत्काल कार्य पर लगाया गया। उन्होंने कहा कि दोनों सोसायटी और आसपास के इलाकों में पेड़-पौधों पर पानी छिड़का जा रहा था, जबकि सड़कों की भी धुलाई की जा रही थी। माहेश्वरी ने कहा कि ध्वस्त हो चुके टावर के मलबे का संपूर्ण निरीक्षण करने के बाद गैस, बिजली और पानी की आपूर्ति बहाल कर दी गई। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी ने कहा, आपूर्ति निर्बाध तरीके से चल रही है। हमारे अधिकारियों ने अब तक किसी तरह की खराबी नहीं देखी है। हम सभी आपूर्ति लाइनों पर कड़ी नजर रख रहे हैं।

बेखौफ लुटेरे ने 23.5 किलो सोना और 11.5 लाख रुपये की नगदी लूट ली

उदयपुर ।

राजस्थान की ट्यूरिस्ट सिटी उदयपुर में बेखौफ लुटेरे ने दिनदहाड़े मणप्पुरम गोल्ड लोन कंपनी पर धावा बोलकर करीब 23.5 किलो सोना और 11.5 लाख रुपये की नगदी लूट ली। वारदात के बाद पुलिस प्रशासन समेत इलाके में जबर्दस्त हड़कंप मच गया।

पुलिस ने आनन-फानन में जिलेभर में नाकाबंदी करवाई लेकिन लुटेरों का अभी तक कोई सुराग नहीं लग पाया है। उदयपुर रेंज के आईजी और पुलिस अधीक्षक समेत अन्य आलाधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। वे पूरे मामले की जानकारी ले रहे हैं।

लूट की यह वारदात सुबह करीब साढ़े नौ बजे हुई। उस समय कंपनी का ऑफिस खुला ही था। हथियारों से लैस पांच लुटेरे धड़धड़ाते हुए मणप्पुरम गोल्ड लोन कंपनी के कार्यालय में घुसे। लुटेरों ने हथियारों के दम पर कर्मचारियों को डराया। बाद में उनके साथ मारपीट कर लॉकर्स खुलवाए। लुटेरों ने लॉकर्स से सोना और नगदी को निकालकर बैग में भर लिया।

कोई कुछ समझ पाता उससे पहले ही लुटेरे रफूचक्कर हो गए। लुटेरे कपंनी से 23.450 किलो सोना और करीब 11.5 लाख रुपये की नगदी ले गए। इतनी बड़ी लूट की सूचना मिलते ही पुलिस भी तत्काल मौके पर पहुंचकर लुटेरों की धरपकड़ के लिए नाकाबंदी करवाई लेकिन उनका कोई सुराग नहीं लग पाया।

ईडी-सीबीआई के जरिए बीजेपी घर-घर से पैसा लूट रही: ममता

कोलकाता ।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी ने तृणमूल छात्र परिषद के 24वें स्थापना दिवस पर रैली को संबोधित किया। इस दौरान ममता ने बीजेपी के आरोपों पर पलटवार किया। ममता ने कहा, ईडी-सीबीआई के जरिए बीजेपी घर-घर से पैसा लूट रही है। टीएमसी का नाम बदनाम किया जा रहा है। पार्थ चटर्जी चोर हैं, केश्टो चोर हैं, बॉबी चोर हैं, अभिषेक बनर्जी चोर हैं, ममता बनर्जी चोर हैंज तब साधु कौन हैं? बीजेपी के सभी लोग साधु हैं। ममता ने कहा, मुझसे पूछा जा रहा है कि मेरी संपत्ति कितनी है? हम लोग प्रजादारी जमीन में रहते हैं। 70 साल से पापा वहीं रहते थे। मैं और मां रहती थी। बाकी सभी भाई-बहनों की अपनी गृहस्थी है।1991 साल के बाद से मैं कभी फ्लाइट के एक्जिक्यूटिव क्लास में नहीं बैठी हूं। 12 साल से कोई पेंशन नहीं ले रही हूं। बीजेपी बड़ी-बड़ी बातें करती है। मैं राजनीति में समाजसेवा के लिए आई हूं। मुझपर दाग लगाने की कोशिश हो रही है। ममता ने उनकी पार्टी टीएमसी पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों पर कहा कि मैं उन्हें चुनौती देती हूं कि अगर वे (भाजपा) कर सकते हैं, तब मुझे गिरफ्तार कर लें। ममता ने कहा कि बीजेपी, केंद्रीय एजेंसियों और काले धन का इस्तेमाल निर्वाचित राज्य सरकारों को गिराने के लिए कर रही है। बीजेपी जवाब दे कि निर्वाचित सरकारों को गिराने के लिए उसके पास पैसा कहां से आ रहा है। ममता ने बिलकिस बानो केस में दोषियों की रिहाई को लेकर भी बीजेपी पर हमला बोला है। ममता ने कहा, 'बीजेपी के नेता 'बेटी बचाओ' की बात करते हैं, लेकिन उनकी सरकार ने बिलकिस बानो मामले में शामिल लोगों को छोड़ दिया। मुख्यमंत्री ने कहा, उन्होंने हमारा पैसा रोक दिया है। उन्होंने लोगों का पैसा रोका है। बीजेपी उनके पैसे का इस्तेमाल कर उन्हें ही बाहर करने में लगी है। उन्होंने हमारे पीछे केंद्रीय एजेंसियों को लगा दिया है। एजेंसियों ने उद्योगपतियों के घरों पर छापेमारी की है।

पैसे की उगाही कर उन्हें देश के बाहर पार्क करने में लगे हुए हैं। वे कह रहे हैं कि ममता बनर्जी परिवार ने पैसा और संपत्ति बनाई है।

हिजाब मामले की अगली सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में 5 सितंबर को होगी

नई दिल्ली । देश की सर्वोच्च अदालत ने हिजाब मामले में कर्नाटक उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर नोटिस जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट में मामले की अगली सुनवाई सोमवार को होगी। इस दौरान मामले को टालने के लिए शीर्ष अदालत ने नाराजगी जताई है। उसने फटकार लगाते हुए कहा कि जब मामला सुनवाई के लिए लगता है तो आप सुनवाई टालने की मांग कर देते हैं। यह सही तरीका नहीं है। मुख्य न्यायाधीश रितु राज अवस्थी की अध्यक्षता वाली कर्नाटक उच्च न्यायालय की 3 न्यायाधीशों की पीठ ने माना था कि कुरान मुस्लिम महिलाओं के लिए हिजाब पहनना अनिवार्य नहीं करता है। पीठ ने कहा था कि यह पोशाक मुस्लिम महिलाओं के लिए 'सार्वजनिक स्थानों तक पहुंच' प्राप्त करने का एक साधन है, 'सामाजिक सुरक्षा' का एक उपाय है। लेकिन हिजाब पहनना इस्लाम में एक धार्मिक अनिवार्यता नहीं है। उच्च न्यायालय ने कर्नाटक में हिजाब विवाद को भड़काने की त्वरित और प्रभावी जांच का भी समर्थन किया था, जिसमें संदेह था कि कुछ संगठन राज्य में सामाजिक अशांति और असामंजस्य फैलाने के लिए इस मुद्दे को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं।

चीन के जासूसी जहाज से नाराज भारत का, श्रीलंका को सॉफ्ट संदेश !

नई दिल्ली ।

आर्थिक संकट की मार झेल रहे श्रीलंका ने भारत की चिंताओं को दरकिनार कर चीन के जासूसी जहाज को अपने यहां रुकने की अनुमति दे दी है। भारत ने श्रीलंका को ऐसा करने से मना किया था लेकिन उसने एक भी नहीं सुनी। अब चीनी जासूसी जहाज को श्रीलंका की तरफ से अनुमति मिलने के बाद भारत की तरफ से श्रीलंका को संदेश देने की शुरुआत हो गई है। भारत सख्त टिप्पणी और कार्रवाई के जरिए नहीं बल्कि सॉफ्ट अंदाज में कूटनीतिक तरीके से श्रीलंका को संदेश देना शुरू कर दिया है। भारत ने श्रीलंका में सुरक्षा की वजह से भारतीय पर्यटकों को यात्रा करने से पहले और यात्रा के दौरान सुरक्षा और बाकी चीजों से जुड़े पूरी एहतियात बरतने की सलाह दे दी है। बुरी तरह से आर्थिक संकट से जूझ रहा पड़ोसी देश पर्यटन के जरिए भी चरमराई अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने की कोशिश कर रहा है। लेकिन इस बीच श्रीलंका की हरकत ने भारत को नाराज किया और अब भारत ने पर्यटकों को हिदायत देकर उसे भले ही सख्त संदेश न दिया हो लेकिन यह एक सॉफ्ट मैसेज जरूर है। वहीं दूसरी तरफ जासूसी जहाज से जुड़े मुद्दे पर भारतीय उच्चायोग ने चीनी राजदूत को भी फटकार लगाई है। भारतीय उच्चायोग ने चीनी राजदूत को लताड़ लगाकर कहा था कि बुनियादी राजनयिक शिष्टाचार का उल्लंघन एक उनकी व्यक्तिगत विशेषता हो सकती है या फिर ये एक बड़े राष्ट्रीय दृष्टिकोण को दर्शाता है।

महंगाई और बेरोजगारी के लिए मोदी सरकार की गलत आर्थिक नीतियां जिम्मेदार : कांग्रेस

- 4 सितंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे पर कांग्रेसका हल्ला बोल

अहमदाबाद .

कांग्रेस ने देश में महंगाई और बेरोजगारी के लिए केन्द्र सरकार की गलत आर्थिक नीतियों को जिम्मेदार बताया और कहा कि ऐसा लगता है जैसे महंगाई और बेरोजगारी पीएम मोदी के भाई हैं. महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे पर सरकार को घेरने के लिए जून 2021 से अब तक सात बार देशव्यापी प्रदर्शन कांग्रेस ने किए हैं और आगामी 4 सितंबर को फिर एक बार दिल्ली के रामलीला मैदान में हल्ला बोल किया जाएगा. जिसमें राहुल गांधी समेत देशभर के नेता शामिल होंगे. इस संदर्भ में गुजरात प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव गांधी भवन में पत्रकार परिषद हुई, जिसमें महाराष्ट्र की पूर्व मंत्री यशोमती ठाकुर ने कहा कि 2019 में मतदाताओं को मोदी जी ने वचन दिया था, खाद्यान्न, दही, लस्सी और छांछ जैसी आवश्यक वस्तुओं को जीएसटी के दायरे से बाहर रखेंगे. लेकिन 2022 में उन्होंने इन सभी वस्तुओं पर जीएसटी लगा दिया. 2019 में उज्जवला योजना का भरपूर प्रचार किया और चुनाव के बाद गैस पर दी जानेवाली सब्सिडी भी खत्म कर दी. जिसकी वजह से गैस की कीमतें दोगुनी से भी ज्यादा हो गईं. पिछले महीने समय से क्रूड ऑइल और रसोई गैस के दरों में गिरावट आ रही है, इसके बावजूद भारत में इसके उपयोगकर्ताओं को कोई राहत नहीं दी जा रही. अंतर्राष्ट्रीय बाजार में जब ईंधन की कीमतें बढ़ती है तब सरकार पेट्रोल-डीजल समेत गैस के दरों में वृद्धि करना नहीं भूलती. कांग्रेस नेता ने कहा कि भारत में महंगाई और बेरोजगारी के लिए मोदी सरकार की गलत आर्थिक नीतियां जिम्मेदार हैं. एक समय था जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की जनता को महंगाई और महंगाई मुक्त भविष्य का सपना

दिखाया था. इसके विपरीत आज देशवासियों को रिकार्ड ब्रेक महंगाई और 45 वर्ष में सबसे भयावह स्थिति में धकेल दिया है. 2014 के बाद भाजपा शासन में महंगाई आसमान पर पहुंच गई है. 2014 के बाद देश में एलपीजी सिलिंडर 156 प्रतिशत, पेट्रोल 40 प्रतिशत, डीजल 70 प्रतिशत, सरसों का तेल 122 प्रतिशत, गेहूं का आंटा 80 प्रतिशत और दूध 70 प्रतिशत महंगा हो गया है.

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

उपचार के संकल्प

ऐसे में महामारी से मिले सबकों के मद्देनजर हमें निरंतर चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार की जरूरत है। मंगलवार को हुए लोकार्पण इस दिशा में सार्थक पहल की बानगी ही कही जायेगी। लेकिन यहां महत्वपूर्ण है भारतीय आध्यात्मिक व सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि संस्थाओं का मानव कल्याण के प्रति समर्पण भी उजागर होना।

बीता बुधवार हरियाणा व पंजाब के लिये मंगलकारी ही रहा। फरीदाबाद में आध्यात्मिक गुरु मां अमृतानंदमयी देवी के प्रयासों से बने एशिया के सबसे बड़े व आधुनिक सुविधाओं से लैस अमृता अस्पताल का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकार्पण किया। वहीं दूसरी ओर पंजाब के मुल्लांपुर में होमी भाभा कैंसर अस्पताल व रिसर्च सेंटर का उद्घाटन भी प्रधानमंत्री ने किया। ये दोनों उद्घाटन राज्यों की जनता और मानवता की सेवा के लिये महत्वपूर्ण घटनाएं हैं। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि कोरोना संकट की दूसरी लहर में महामारी के सामने अस्पताल बौने नजर आये और मरीज बेड व उपचार के लिये दर-दर की ठोकरें खाते रहे। संकट में अवसर तलाशने वाले लोगों ने मुसीबत के मारे लोगों को उल्टे उस्तरे से मूंडने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। ऐसे में महामारी से मिले सबकों के मद्देनजर हमें निरंतर चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार की जरूरत है। मंगलवार को हुए लोकार्पण इस दिशा में सार्थक पहल की बानगी ही कही जायेगी। लेकिन यहां महत्वपूर्ण है भारतीय आध्यात्मिक व सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि संस्थाओं का मानव कल्याण के प्रति समर्पण भी उजागर होना। करीब 130 एकड़ में विस्तृत और 2600 बेड के आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं वाले अमृत अस्पताल के रूप में मां अमृतानंदमयी ने रोगियों व दुखियों की मदद के लिये ऋषिकर्म को ही सार्थक किया है। धार्मिक-आध्यात्मिक संस्थाओं द्वारा मानवता की सेवा की ऐसी बड़ी मिसाल दुनिया में कम ही मिलती है। वहीं रासायनिक खाद व कीटनाशकों के जरिये हरित क्रांति लाने वाले पंजाब को आज कैंसर की महामारी के रूप में इसकी कीमत चुकानी पड़ रही है। कीटनाशकों व रासायनिक खाद के अंधाधुंध उपयोग से आज भूजल व मिट्टी जहरीली हो गये हैं। यहां तक कि पंजाब के कई जिले भयावह कैंसर से जूझ रहे हैं। बठिंडा व अन्य जनपदों से राजस्थान के कैंसर अस्पताल में उपचार के लिये यात्रियों को ले जाने वाली ट्रेन को बाकायदा कैंसर ट्रेन का नाम दिया गया है। उम्मीद है ऐसे लोगों के लिये मुल्लांपुर का अस्पताल जीवन रक्षा का मंदिर बनेगा। उल्लेखनीय है कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के प्रयास से मुल्लांपुर स्थित होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं रिसर्च सेंटर की आधारशिला रखी गई थी। टाटा मेमोरियल सेंटर ने 660 करोड़ रुपये की लागत से तीन सौ बेड का अस्पताल तैयार किया है। निस्संदेह, पंजाब ही नहीं हरियाणा, हिमाचल व जम्मू-कश्मीर आदि राज्यों के रोगियों को कैंसर से लड़ने का जज्बा मिलेगा। वहीं इस दिशा में शोध का वातावरण बनने से मानवता के दुख-दर्दों को कम किया जा सकेगा। निस्संदेह,देश में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थानों यानी एम्स की संख्या में अपेक्षित विस्तार हुआ है, लेकिन महत्वपूर्ण यह है कि चिकित्सा सुविधाएं तथा चिकित्सकों व कर्मियों की संख्या पर्याप्त होनी चाहिए। उपचार गुणवत्ता का हो और मरीजों को उसका लाभ सहजता व सरलता से मिल सके। निस्संदेह, हर राज्य को एम्स मिलना चाहिए मगर उपचार की गुणवत्ता से समझौता नहीं किया जा सकता। प्रधानमंत्री का यह संकल्प भी प्रशंसनीय है कि देश के हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज खुले। लेकिन शर्त वही है कि सुविधाओं व शिक्षण की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाये। वहां योग्य शिक्षक हों और शोध-अनुसंधान की पर्याप्त सुविधाएं हों। इस प्रयास के सिरे चढ़ने पर ही देश की जनसंख्या के अनुपात में पर्याप्त चिकित्सक मिल सकेंगे। वहीं एलोपैथी के अलावा अन्य चिकित्सा पद्धतियों को भी बढ़ावा दिया जाना चाहिए। देश में व्याप्त आर्थिक विषमता के मद्देनजर सस्ता व सहज सुलभ इलाज जरूरी भी है। प्रिवेंटिव हेल्थकेयर को बढ़ावा, हर गांव में चिकित्सा सुविधा, डॉक्टरों व पैरा-मेडिकल स्टॉफ में वृद्धि तथा जैनेरिक दवाओं की उपलब्धता हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

कार्टून

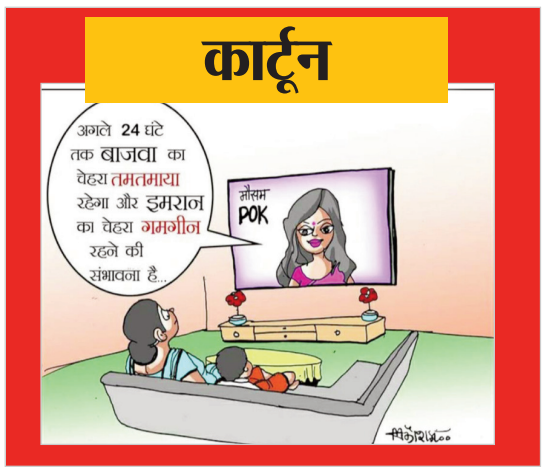

धर्म निर्विकल्प

श्रीराम शर्मा आचार्य

आदतों को आरम्भ करने में तो कुछ भी नहीं करना पड़ता है पर वे बिना किसी कारण के भी क्रियान्वित होती रहती हैं। इतना ही नहीं, कई बार तो ऐसा भी होता है कि मनुष्य आदतों का गुलाम हो जाता है, और कोई विशेष कारण न होने पर भी उपयुक्त-अनुपयुक्त आचरण करने लगता है। बाद में स्थिति ऐसी बन जाती है कि उस आदत के बिना काम ही नहीं चलता। आलसियों और गंदगी पसन्द लोगों के कुटेवों को लोग नापसन्द भी करते हैं, और इनके लिए टीका-टिप्पणी भी करते हैं। पर अभ्यस्त व्यक्ति को यह प्रतीत ही नहीं होता कि उसने कोई ऐसी आदत पाल रखी है, जिसे लोग नापसन्द करते हैं, और बुरा मानते हैं। अच्छी आदतों के संबंध में यह बात है। साफ-सुथरे रहना, किफायत बरतना और किसी न किसी उपयोगी काम में लगे रहना, न होने पर प्रयत्नपूर्वक सौंपा हुआ काम कर लेना, एक प्रकार की अच्छी आदत ही है, जो आपके व्यक्तित्व का वजन बढ़ाती है। कुछ न कुछ उपयोगी प्रक्रिया बन पड़ने पर अनायास ही सहज श्रेय प्राप्त होता है। तिनके-तिनके इकट्ठे करने पर मोटा या मजबूत रस्सा बन जाता है। अच्छी या बुरी आदतों के संबंध में भी ऐसी बात है। आरम्भ में वे अनायास ही आरम्भ हो जाती हैं, और थोड़ा सा प्रयत्न करने, कुछ बार दुहरा देने भर से मनःस्थिति अनुकूल बन जाती है। स्वभाव का अंग बन जाने पर समूचे व्यक्तित्व को ही उस ढांचे में ढाल लेती हैं। अच्छी आदतों का अभ्यास किया जाए तो व्यक्तित्व सुणी स्तर का बन जाता है। दूसरों के मन में अपने लिए सम्मानजनक स्थान बना लेता है। उसे सभ्य या शिष्ट माना जाता है। उसके संबंध में लोग और भी अच्छे सुणों की मान्यता बना लेते हैं। उसके कार्यों में सहयोग करने लगते हैं, या अवसर मिलते ही उसे अपना सहयोगी बना लेते हैं। सहयोग या असहयोग ही किसी की उन्नति या अवनति का प्रमुख कारण है। अच्छी आदतें फलतः अपना हित साधन करती हैं। इनका देर-सबेर में उपयोगी लाभ मिलता है। इसके विपरीत बुरी आदतों से प्रत्यक्षतःऔर परोक्षतः निकट भविष्य में हानि ही उठाने की आशंका रहती है। कहा भी जाता है कि पहले आप आदतों को बनाते हैं, फिर वे आपको बनाती हैं। इसलिए जरूरी हो जाता है कि बराबर सचेत रहें और गलत आदतों को अपने भीतर जगह बनाने ही न दें।

लोकतंत्र के लिए ही काँग्रेस मजबूत हो पाती?

लेखक- ऋतुपर्ण दवे

1996 में काँग्रेस पार्टी के नाम से आई हटा और पार्टी इंडियन नेशनल कांग्रेस हो गई। लेकिन काँग्रेस से जाने वालों में कमीं नहीं आई। अगर कहें कि काँग्रेस पार्टी में बिखराव, टूटन, गुटबाजी या वर्चस्व की लड़ाई नई नहीं है तो बेजा नहीं होगा। यूँ तो आजादी से पहले ही कांग्रेस दो बार टूट चुकी है। 1923 में सीआर दास और मोतीलाल नेहरू ने स्वराज पार्टी का गठन किया तो 1939 में सुभाषचंद्र बोस ने सार्दुल सिंह और शील भद्र के साथ मिलकर अखिल भारतीय फॉरवर्ड ब्लॉक बनाई।

क्या काँग्रेस एक बार फिर और कमजोर हो गई? ऐसे सवाल राजनीतिक गलियारों में अब नए नहीं है और न ही कोई सनसनी फैलाते हैं। काँग्रेस छोड़ने वाले हालिया नेताओं में से लगभग 90 प्रतिशत बल्कि उससे भी ज्यादा ने राहुल गाँधी की लीडरशिप पर सवाल उठाया है। गुलाम नबी आजाद के आरोप हैरान नहीं करते हैं। पहले भी काँग्रेस से अलग होते वक्त या होकर कई और नेताओं ने तब की लीडरशिप पर सवाल उठाए थे। ऐसे में ये सवाल बेमानी सा लगता है कि क्या वाकई राहुल अनुभवहीन हैं या वजह कुछ और है? थोड़ा पीछे भी देखना होगा। 1967 के 5वें आमचुनाव में ही काँग्रेस को पहली बार जबरदस्त चुनौती मिली थी जिसमें पार्टी 520 लोकसभा सीटों में 283 जीत सकी। काँग्रेस का यह तब तक का सबसे खराब प्रदर्शन था। लेकिन इंदिरा गाँधी प्रधानमंत्री रही आईं और कांग्रेस में अंर्तकलह शुरू हो गई। इसी कलह के चलते महज दो बरस यानी 1969 में कांग्रेस(ओ) यानी काँग्रेस ऑर्गेनाइजेशन टूट गई। मूल कांग्रेस की अगुवाई कामराज और मोरारजी देसाई कर रहे थे और इंदिरा गांधी ने कांग्रेस(आर) रेक्वेजिस्निस्ट्स यानी काँग्रेस(आवश्यक्तावादी) के नाम से नई पार्टी बनाई। इसमें अधिकतर सांसद इन्दिरा गाँधी के साथ थे। 1977 में कांग्रेस (ओ) जनता पार्टी में मिल गई तो 1978 में इंदिरा गांधी की कांग्रेस (आई) बनी और 6 साल बाद चुनाव आयोग से 1984 में असली कांग्रेस के तौर पर मान्यता भी मिली। 1996 में काँग्रेस पार्टी के नाम से आई हटा और पार्टी इंडियन नेशनल कांग्रेस हो गई। लेकिन काँग्रेस से जाने वालों में कमीं नहीं आई। अगर कहें कि काँग्रेस पार्टी में बिखराव, टूटन, गुटबाजी या वर्चस्व की लड़ाई नई नहीं है तो बेजा नहीं होगा। यूँ तो आजादी से पहले ही कांग्रेस दो बार टूट चुकी है। 1923 में सीआर दास और मोतीलाल नेहरू ने स्वराज पार्टी का गठन किया तो 1939 में सुभाषचंद्र बोस ने सार्दुल सिंह और शील भद्र के साथ मिलकर अखिल भारतीय फॉरवर्ड ब्लॉक बनाई। वहीं आजादी के बाद 1951 में भी काँग्रेस टूटी जब जेबी कृपलानी अलग हुए और किसान मजदूर प्रजा पार्टी बनाई। वहीं एनजी रंगा ने हैदराबाद स्टेट प्रजा पार्टी बनाई तो सौराष्ट्र खेदुत संघ भी तभी बना। 1956 में सी. राजगोपालाचारी ने इंडियन नेशनल डेमोक्रेटिक पार्टी बनाई। इसके बाद 1959 में बिहार, राजस्थान, गुजरात और ओडिशा में कांग्रेस टूटी। यह सिलसिला लगातार जारी रहा। 1964 में केएम जॉर्ज ने केरल कांग्रेस बनाई। 1967 में चौधरी चरणसिंह ने काँग्रेस से अलग होकर भारतीय क्रांति दल बनाया बाद में इन्होंने ही लोकदल पार्टी बनाई। काँग्रेस से अलग होकर वजूद या पार्टी बनाने वाले कई दिग्गजों ने वापसी भी की तो कुछ ने नए दल के साथ पहचान बनाई। जैसे प्रणब मुखर्जी, अर्जुन सिंह, माधव राव सिंधिया, नारायणदत्त तिवारी, पी. चिदंबरम, तारिक अनवर ऐसे कुछ प्रमुख नाम हैं जो कांग्रेस छोड़कर तो गए लेकिन लौट भी आए। भले ही पीछे किन्तु-परन्तु कुछ भी हो। इनके उलट ममता बनर्जी, शरद पवार, जगन मोहन रेड्डी, मुफ्ती मोहम्मद सईद, अजीत जोगी ऐसे नेता बने जिन्होंने कांग्रेस से बगावत कर अपनी पहचान और मजबूत की। ये बातें अब सालों साल पुरानी हो गई हैं। अब काँग्रेस से अलग होकर सीधे प्रमुख प्रतिद्वन्दी भाजपा में शामिल होने जैसे नेताओं में होड़ सी लग गई है जिनमें तमाम दिग्गज काँग्रेसी बल्कि कहें अपने-अपने इलाके के स्तंभ भी शामिल हैं। ज्योतिरादित्य सिंधिया, जितिन प्रसाद, हार्दिक पटेल, सुनील जाखड़, चौधरी वीरेन्द्र सिंह, रीता बहुगुणा जोशी समेत कई नाम हैं। पंजाब में कैप्टेन अमरिन्दर ने भी अपनी उपेक्षा के चलते नई पार्टी पंजाब लोक कांग्रेस (पीएलसी) बना डाली। राजनीतिक गलियारों की चर्चा को सही मानें तो इसका भी विलय भाजपा में हो जाए तो चौंकाने वाला कुछ नहीं होगा। इसी तरह गुलाम नबी आजाद का भी नई पार्टी का ऐलान जम्मू-कश्मीर में खुद को मजबूत करने वाला कदम है। यहाँ वह शायद ही भाजपा के साथ चुनावी गठबन्धन करें क्योंकि चुनाव बाद की परिस्थियों को देख किंग मेकर की भूमिका में जरूर आएंगे। अभी से ऐसे कयास दूर की कौड़ी ही है। दलबदल के चलते भारत में सत्ता परिवर्तन अब आम बात हो गई है। दलबदल का सबसे बड़ा उदाहरण 1980 में दिखा। जब 21 जनवरी की रात भजनलाल अपने समर्थक विधायकों के साथ इंदिरा गांधी के दिल्ली दरबार पहुँचे और उनके गुट को कांग्रेस में शामिल करने की मंजूरी मिल गई। सुबह हुई तो पता चला कि रात तक प्रदेश में जनता पार्टी सरकार थी जो सुबह काँग्रेस सरकार में तब्दील हो गई। इस तरह रातों-रात जनता पार्टी सरकार का वजूद ही खत्म हो गया। भारत के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ कि किसी मुख्यमंत्री ने अपने मंत्रियों समेत ही पार्टी बदल ली। बस यही सिलसिला अब भी जारी है जिसमें वक्त के साथ तौर तरीकों में थोड़ा बदलाव जरूर आया है। हाँ, इस सच को कुबूलना ही होगा कि आजादी के बाद कांग्रेस से टूटकर करीब 70 से ज्यादा दल बन चुके हैं। कई खत्म हो गए तो कई कायम हैं। यही सिलसिला अब भी जारी है। सच तो यह है कि केवल काँग्रेस ही नहीं दूसरे राजनीतिक दलों में आयाराम-गयाराम का सिलसिला बेधड़क चल रहा है। इतना जरूर है कि देश के बड़े, पुराने और अहम राजनीतिक दलों में शुमार होने के चलते काँग्रेस में उठा-पटक होने पर थोड़ा ज्यादा हल्ला मचता है। सच तो यह भी है कि काँग्रेस को लेकर जनमानस के मन में नकारात्मक भाव 1970 से ही आने शुरू हो गए और इसी कारण मजबूत विकल्प के रूप में भाजपा उभरनी शुरू हुई। काँग्रेस ने अपने खिसकते जनाधार पर ध्यान नहीं देकर हमेशा और हर जगह व्यक्तिवादी राजनीति बढ़ाई। चाहे देश का संदर्भ लें, प्रदेशों को देखें या जिले। यहाँ तक कि तहसील, ब्लॉक, शहर, नगर तक में पार्टी पर हमेशा और लंबे समय तक जनभावनाओं से इतर बस खास लोगों का गुट और वर्चस्व की राजनीति ही दिखी है फिर चाहे पार्टी सत्ता में हो या नहीं। इसी का फायदा भाजपा को भरपूर मिला और उसने लोगों से जुड़ने और जोड़ने का काम किया। कभी देश में महज दो लोकसभा सीट जीतने वाली भाजपा आज दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल है। काँग्रेस ने देश के इसी मिजाज को समझ कर अनदेखी की जिसका खामियाजा सामने है। इस साल के आखिर में गुजरात, हिमाचल प्रदेश तो 2023 में मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, तेलंगाना, त्रिपुरा, मेघालय, नागालैंड और मिजोरम विधानसभा चुनाव हैं। इसके बाद 2024 के आमचुनाव होंगे। तेलंगाना छोड़ बांकी जगह कांग्रेस का सीधा मुकाबला भाजपा से है। गुजरात में कांग्रेस को दोहरी चुनौती है क्योंकि जीती नहीं तब भी दूसरे नंबर आना होगा जो आम आदमी पार्टी के चलते आसान नहीं दीखता। अभी से अगले आमचुनाव में 40-50 सीट और 20 प्रतिशत से भी कम वोट का खतरा मंडरा रहा है। 2014 और 2019 के नतीजों का विश्लेषण भी इशारा है और हकीकत भी। बेचैनी स्वाभाविक है क्योंकि ऐसा हुआ तो प्रमुख विपक्षी दल होने का दाँव भी हाथ से निकल जाएगा। भाजपा का काँग्रेस मुक्त भारत का दावा थोथा नहीं है। शायद यही वो कारण है जो राजनीति की नब्ज को पहचानने वाले अवसरवादी पहले ही खतरे को भाँप अपना नया ठौर चुनने या बनाने खातिर ठीकरा राहुल गाँधी पर फोड़ चलता हो रहे हों। राहुल गांधी 7 सितंबर से कन्याकुमारी से भारत जोड़ो यात्रा की शुरुआत कर रहे हैं। यात्रा 150 दिनों में 3750 किमी दूरी तय करेगी और जम्मू होकर श्रीनगर में खत्म होगी। यह सब काफी पहले होना था। लेकिन ठीक है देर आयद, दुरुस्त आयद।

विचार मंथन

आजाद से भाजपा फायदे में

लेखक-सिद्धार्थ शंकर

कांग्रेस के कद्दावर नेता रहे गुलाम नबी आजाद ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया। इस इस्तीफे के साथ ही आजाद ने यह भी साफ कर दिया है कि वह नई पार्टी बनाएंगे। आजाद का यह कदम पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह की तरह कैप्टन पार्ट 2 का बड़ा हिस्सा माना जा रहा है। यह राजनीतिक पारी गुलाम नबी आजाद अपने बेटे सद्दाम के साथ मिलकर शुरू करेंगे। गुलाम नबी आजाद कि कश्मीर में पकड़ का फायदा भाजपा को जबरदस्त रूप से मिल सकता है। यह बात अलग है कि चुनाव भले भाजपा के सिंबल पर न लड़ा जाए, लेकिन भाजपा और गुलाम नबी के बीच राजनीतिक समझौते की संभावनाएं जबरदस्त तरीके से बढ़ गई हैं। इस्तीफे के बाद सबसे ज्यादा कयास यही लगाए जा रहे थे कि गुलाम नबी आजाद का अगला कदम क्या होगा। गुलाम नबी आजाद ने इस्तीफा देने के बाद जम्मू-कश्मीर की आवाम से कहा है कि वह अब अपने राज्य की ओर रुख कर रहे हैं। आजाद ने कहा कि वे जल्द ही अपनी नई पार्टी का एलान करेंगे। जम्मू कश्मीर को जानने वाले कहते हैं कि कश्मीर में तमाम राजनीतिक संगठनों और बड़े नेताओं के बीच में गुलाम नबी आजाद की स्वीकार्यता जितनी है, उतनी शायद ही किसी दूसरे नेता की हो। यह बात अलग है कि कांग्रेस अपनी लचर नीतियों के चलते कश्मीर में बहुत बेहतर नहीं कर सकी, लेकिन अब कांग्रेस से आजाद होने के बाद गुलाम नबी आजाद कर सकते हैं। जम्मू कश्मीर में अगले कुछ महीनों के भीतर ही चुनाव होने हैं। ऐसे में कांग्रेस पार्टी से अलग होकर गुलाम नबी आजाद अब कश्मीर में अपनी नई सियासी पारी पूर्ण रूप से स्वतंत्र होकर कर सकते हैं। गुलाम नबी आजाद खुद में एक बहुत बड़ी शख्सियत और स्वयं में बड़े राजनीतिक दल सरीखे हैं। यह बिल्कुल तय है कि गुलाम नबी आजाद जम्मू कश्मीर में अपने स्तर पर न सिर्फ राजनीतिक संगठन खड़ा कर सकते हैं बल्कि चुनाव में बहुत बड़ी भूमिका अदा करने वाले हैं।

राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का बाजार इस बात के लिए भी गर्म है कि क्या आजाद की नई राजनीतिक पारी से जम्मू-कश्मीर में भाजपा को कोई बड़ा फायदा हो सकता है या नहीं। जिस तरीके से भाजपा ने आजाद को तवज्जो देनी शुरू की और पद्मभूषण जैसा बड़ा सम्मान दिया, तो माना जाने लगा था कि भाजपा और गुलाम नबी आजाद के बीच में नजदीकियां बढ़ रही हैं। चूंकि उन दिनों गुलाम नबी आजाद कांग्रेस से नाराज चल रहे थे, तो इन चर्चाओं को और बल मिलने लगा कि आजाद कांग्रेस से मुक्त होकर भाजपा के साथ कुछ बड़ा कर सकते हैं। सिर्फ यही नहीं अगर आप राज्यसभा का वह वीडियो देखें जिसमें गुलाम नबी आजाद की विदाई हो रही थी और देश के प्रधानमंत्री मोदी की आंखों में आंसू थे, वह भी गुलाम नबी आजाद और भाजपा के बीच में बनने वाली एक बड़ी बॉन्डिंग का काम कर रहा था।

बीते कुछ दिनों के ऐसे रिश्तों की मजबूत हो रही डोर के चलते अब राजनीतिक रूप से गुलाम नबी आजाद और भाजपा की नजदीकियां खुलकर बढ़ सकती है। निश्चित तौर पर भाजपा को गुलाम नबी आजाद के कांग्रेस से आजाद होने का जम्मू कश्मीर के चुनावों में बड़ा फायदा मिलने वाला है। जिस तरीके से पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने पंजाब में पार्टी से अलग होकर अपनी एक नई राजनीतिक पार्टी बनाई थी। ठीक उसी तरीके से गुलाम नबी आजाद भी जम्मू-कश्मीर में अपनी नई राजनीतिक पार्टी बना रहे हैं। आजाद के पार्टी छोडने से निश्चित तौर पर इससे कांग्रेस को न सिर्फ बड़ा झटका लगा है बल्कि भाजपा के लिए यह एक फायदे का इस्तीफा माना जा रहा है। आने वाले विधानसभा के चुनावों में अब कई तरह के विकल्प सामने आ रहे हैं।

सम्पूर्ण कायाकल्प अभियानः

बेहतर स्वास्थ्य के लिए एक मिशन

(लेखक- निलय श्रीवास्तव)

मध्यप्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य बन गया है जहाँ स्वास्थ्य सम्बंधी सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए एक स्वस्थ समाज की परिकल्पना को साकार किया जा रहा है। शासकीय चिकित्सालयों को आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित कर प्रदेश के लोगों को अधिक लाभ देने का प्रयास है। प्रसव के लिए आवश्यक संसाधनों की कमी को दूर करने, बच्चों में कुपोषण की समस्या से निजात दिलाने तथा आर्थिक रुप से कमजोर लोगों को सरलता से आवश्यकतानुसार उपचार उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश सरकार द्वारा पूरे प्रदेश में सम्पूर्ण कायाकल्प अभियान की शुरूआत विगत् 8 अगस्त को की गयी थी। यह अभियान लोगों को स्वस्थ बनाये रखने के लिए एक कवच की तरह है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सम्बंधी सुविधायें उपलब्ध होने से अब बीमारियों से होने वाली मौतों की संख्या में भी कमी आयेगी। याद रहे कि मध्यप्रदेश में विगत् दो दशक से स्वास्थ्य सम्बंधी विभिन्न योजनायें एवं कार्यक्रम चलाकर लोगों को इस दिशा में जागरूक किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में अब सम्पूर्ण कायाकल्प अभियान के अंतर्गत प्रयास होगा कि शासकीय चिकित्सालयों को सुसज्जित कर वहाँ आवश्यक उपकरण तथा संसाधन जुटाने के साथ ही स्वच्छता सम्बंधी नियमों का पालन कराया जाये। इन चिकित्सा केन्द्रों पर अधिक से अधिक संख्या में रोगियों का सरल प्रक्रिया के तहत् उपचार कर गुणवत्तापूर्ण आवश्यक दवाएं उपलब्ध करवाने तथा उप स्वास्थ्य केन्द्रों से लेकर जिला अस्पताल तक उच्च तकनीकी उपकरणों से सभी आवश्यक जाँचे निःशुल्क करायीं जायेंगी। डायबिटीज जैसे घातक रोग के लिए करायी जाने वाले एच.वी.ए.वन.सी., हार्मोन की जाँच, कोविड, कैंसर, सिविल सेल, थैलेसीमिया जैसी महंगी जाँचें सभी जिला अस्पतालों में निःशुल्क करवाने का प्रावधान सम्पूर्ण कायाकल्प अभियान के तहत् रखा गया है। आयुष्मान एवं बी.पी.एल. कार्डधारकों के लिये दुर्घटनाग्रस्त होने पर निःशुल्क परिवहन की सुविधा होने के साथ ही शासकीय चिकित्सालयों की एम्बुलेंस को उन्नत तकनीक के साथ प्राथमिक उपकरणों से सुसज्जित किया जा रहा है। प्रदेश भर के चिकित्सालयों में पहले 1445 एम्बुलेंस संचालित हो रहीं थीं जिन्हें बढ़ाकर अब दो हजार से ज्यादा किया गया है। एम्बुलेंस सेवा से हर माह लगभग एक लाख पच्चीस हजार लोगों को उपचार्थ सहायता देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। पिछले कुछ समय से महिलाओं के प्रसव के दौरान देर से अस्पताल पहुँचने पर होने वाली मौतों का आँकड़ा बढ़ रहा था। इसे नियंत्रित करने के लिए उत्कृष्ट उपकरणों से सुसज्जित एम्बुलेंस चिकित्सा केन्द्रों को दी जायेंगी ताकि प्रसव के दौरान किसी अप्रिय घटना का सामना न करना पड़े। इस तरह जब लोगों को समय पर सुगमता से उपचार मिलेगा तब इस अभियान की सार्थकता स्वयंमेव साबित होगी। शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य तथा चिकित्सा सेवाओं को सुलभ एवं बेहतर बनाने के साथ जरुरतमंद लोगों को समय पर बेहतर उपचार की सुविधा मुहैया कराने के लिये विभिन्न योजनायें तथा कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। इसके पीछे सरकार की सोच स्पष्ट है कि गरीबों को बीमारी के साथ इलाज के खर्च और फिर कर्ज की दोहरी मार से बचाया जा सके। प्रयास यह भी है कि मूलभूत अधोसंरचना के दीर्घकालीन कार्यक्रम किये जायें, जिनका लाभ लम्बे समय तक प्रदेश के लोगों को मिल सके। यहाँ बताते चलें कि मध्यप्रदेश ऑक्सीजन के मामले में आत्मनिर्भर हो गया है।

ऑक्सीजन के 204 पी.एस.ए. प्लांट प्रारम्भ हो गए हैं। इसके अलावा 34 जिला चिकित्सालयों में 6 किलोमीटर की क्षमता वाले लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन टेंक स्थापित किये गए हैं। मध्यप्रदेश में अब 13 मेडिकल कालेज हो गए हैं। पब्लिक-प्रायवेट पार्टनरशिप आधार पर मेडिकल कालेज खोलने की दिशा में भी सरकार सुनियोजित प्रयास कर रही है। श्योपुर, राजगढ़, सिवनी, मण्डला, सिंगरौली, नीमच, मंदसौर, दमोह और छतरपुर में शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय स्थापित किये जाने का कार्य प्रगतिशील है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 861 और निफ्टी 246 अंक टूटा

मुम्बई ।

मुम्बई शेयर बाजार में सोमवार को भारी गिरावट दर्ज की गयी। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही अधिकतर क्षेत्रों में बिकवाली हावी होने से बाजार में यह गिरावट आई है। आज सुबह खुलते ही बाजार नीचे आने लगा और यह सिलसिला दिन भर बना रहा। कारोबार के दौरान उपभोक्ता वस्तुओं (एफएमजीसी) को छोड़कर अन्य सभी क्षेत्रों में गिरावट देखी गयी। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 861 अंक गिरकर 57,93 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 246 अंक टूटकर 17313 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स शुरुआत में ही 1466 अंक फिसल गया था। वहीं, निफ्टी 370 अंक टूटा। इस दौरान केवल दो कंपनियां, नेस्ले और हिन्दुस्तान यूनीलीवर ही लाभ के साथ ही हरे निशान पर करोबार कर रहीं थीं। वहीं अगर सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो निफ्टी पर एफएमसीजी और ऑयल एंड गैस के अलावा हर इंडेक्स नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। निफ्टी आईटी -3.46 फीसदी, मीडिया -2.07 फीसदी, बैंक -1.69 फीसदी और फाइनेंशियल सर्विसेज -1.38 में सबसे ज्यादा आई। बहुत कम शेयरों में तेजी दर्ज की गयी हालांकि इसके बाद भी ब्रिटानिया 1.67 फीसदी), मारुति 1.31 फीसदी, नेस्ले इंडिया 0.94 फीसदी कोल इंडिया 0.63 फीसदी और एशियन पेंट्स 0.62 फीसदी शीर्ष पर बनकर बाजार को थाम रहे। वहीं, टेक महिंद्रा 4.56 फीसदी, इन्फोसिस -3.82 फीसदी, विप्रो -2.89 फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक -2.74 फीसदीऔर एचसीएल टेक -2.73 फीसदी में सबसे ज्यादा गिरावट आई। इससे पहले शुक्रवार को भी बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ था। वहीं बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के प्रमुख जेरोम पॉवेल के मौद्रिक नीति में राहत नहीं दिये जाने के बयान के बाद से ही दुनिया भर के बाजारों में गिरावट आई है।

टाइटन के शेयर ने 1 लाख के बनाए 16 करोड़

मुंबई । टाटा ग्रुप की कंपनी टाइटन के शेयर पिछले कुछ साल में 2 रुपए से बढ़कर 2500 रुपए के पार पहुंच गए हैं। टाइटन कंपनी के शेयरों ने इस समय अवे धि में लोगों को 150000 प्रतिशत से अधिक रिटर्न दिया है। टाइटन के शेयरों का 52 सप्ताह का उच्च स्तर 2767.55 रुपए है। वहीं कंपनी के शेयरों का 52 सप्ताह का निचला स्तर 1827.15 रुपए है। टाइटन कंपनी के शेयर 25 अक्टूबर 2001 को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में 1.57 रुपए के स्तर पर थे। कंपनी के शेयर 29 अगस्त 2022 को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में 2526.45 रुपए के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। अगर किसी व्यक्ति ने अक्टूबर 2001 को टाइटन कंपनी के शेयरों में 1 लाख रुपए लगाए होते और अपने इनवेस्टमेंट को बनाए रखा होता तो मौजूदा समय में यह पैसा 16.09 करोड़ रुपए होता।

आईसीआईसीआई बैंक और एनपीसीआई ने लांच किया रूपे क्रेडिट कार्ड

मुंबई । आईसीआईसीआई बैंक ने एनपीसीआई के साथ मिलकर रुपे क्रेडिट कार्ड पेश किया है। आरबीआई ने हाल में यूपीआई के जरिए भुगतान करने की सुविधा का एलान किया था। रुपे क्रेडिट कार्ड को यूपीआई से लिंक किया जा सकेगा। बता दें कि आईसीआईसीआई बैंक ने स्वदेशी भुगतान नेटवर्क रूपे पर कई क्रेडिट कार्ड लांच करने के लिए भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा की। सबसे पहले आईसीआईसीआई बैंक रुपे क्रेडिट कार्ड बैंक की रत्न श्रृंखला के कोरल संस्करण में उपलब्ध है, जिसके बाद जल्द ही रूबीक्स और सैफिरो संस्करण आएंगे। आईसीआईसीआई बैंक कोरल रुपे क्रेडिट कार्ड के नाम से जाना जाने वाला संपर्क रहित कार्ड खरीदारी और रेस्तरां, उपयोगिता बिलों का भुगतान, मानार्थ घरेलू हवाई अड्डे और रेलवे लाउंज का उपयोग, ईंधन अधिभार की छूट, छूट जैसी दैनिक खरीद पर कई विशेषाधिकार और लाभ प्रदान करता है।

भारत-जापान साथ काम करें तो विनिर्माण क्षेत्र में सबसे अच्छे साबित होंगे: भार्गव

नई दिल्ली । देश की अग्रणी वाहन विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया के चेयरमैन आरसी भार्गव ने कहा कि अगर भारत और जापान मिलकर काम करें तो विनिर्माण क्षेत्र में वे दुनिया में सबसे अच्छे साबित होंगे। भार्गव ने कहा कि भारत और जापान के बीच बढ़ती साझेदारी भारतीय विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि के लिए एक बड़ा सकारात्मक कारक होने वाली है। मारुति सुजुकी कंपनी के साथ भारत और जापान ने चार दशक पहले वाहन विनिर्माण में साझेदारी की शुरुआत की थी। मारुति सुजुकी और कुछ अन्य क्षेत्रों में हमें देखने को मिली भारत-जापान साझेदारी धीरे-धीरे मजबूत हो रही है। अब अधिक संख्या में जापानी कंपनियां भारत में निवेश के लिए दिलचस्पी दिखा रही हैं और वे भारतीय कंपनियों से साझेदारी कर रही हैं। उन्होंने कृषि एवं निर्माण उपकरण बनाने वाली कंपनी एस्काट्र्स कुबोता का जिक्र करते हुए कहा कि अब कुबोता इस इकाई में एक प्रवर्तक बन गई है। उन्होंने कहा कि जापानी साझेदारों से उनके कौशल, बेहतरीन कामकाजी शैली और प्रबंधन प्रणाली के बारे में बहुत कुछ सीखा जा सकता है।

अमेरिकी और यूरोपीय बाजारों में गिरावट

मुंबई । अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के प्रमुख जेराम पॉवेल ने महंगाई के काबू में आने तक ब्याज दरें बढ़ाने का संकेत दिया है। इसका असर वहां के शेयर बाजारों पर भी दिखा और पिछले कारोबारी सत्र में बड़ी गिरावट दिखी। अमेरिका के प्रमुख शेयर बाजार डाओ जोंस पर पिछले सत्र में 3.03 फीसदी की गिरावट दिखी, जबकि एसएंडपी 500 3.37 फीसदी फीसदी टूटकर बंद हुआ और नेस्डेक पर 3.94 फीसदी का नुकसान रहा। वहीं अमेरिका की तर्ज पर यूरोपीय बाजारों के लिए भी पिछला सत्र काफी खराब रहा और सभी प्रमुख शेयर बाजारों में गिरावट दिखी। यूरोप के बड़े बाजारों में शामिल जर्मनी के स्टॉक एक्सचेंज पर पिछले सत्र में 2.26 फीसदी की बड़ी गिरावट दिखी, जबकि फ्रांस का शेयर बाजार 1.68 फीसदी टूटकर बंद हुआ। लंदन स्टॉक एक्सचेंज पर भी पिछले सत्र में 0.70 फीसदी का नुकसान दिखा।

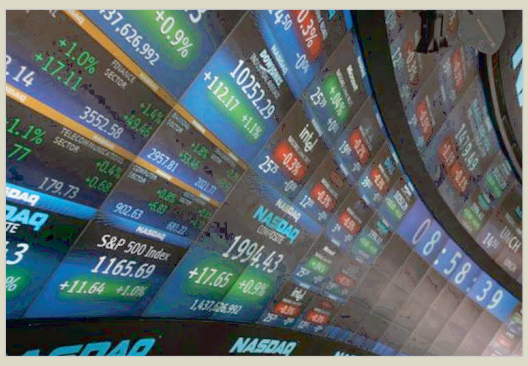

वोडाफोन आइडिया ने ग्राहकों का डेटा लीक होने से किया इनकार

मुंबई । एक साइबर-सुरक्षा अनुसंधान फर्म ने दावा किया है कि वोडाफोन आइडिया (वीआई) के लगभग 2 करोड़ ग्राहकों के कॉल डेटा रिकॉर्ड साइबर अपराधियों ने लीक कर दिए। हालांकि दूरसंचार ऑपरेटर ने इससे इनकार किया है। साइबर-सिक्योरिटी रिसर्च फर्म साइबरएक्स9 ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि कंपनी के सिस्टम में कमजोरियों के कारण 2.6 करोड़ पोस्टपेड वीआई ग्राहकों के कॉल डेटा रिकॉर्ड लीक हो गए। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि लीक हुए डेटा में कॉल का समय, कॉल की अवधि, जहां से कॉल की गई, ग्राहक का पूरा नाम, पता एसएमएस विवरण और रोमिंग विवरण शामिल हैं। हालांकि, वोडाफोन-इंडिया ने इस दावे का खंडन करते हुए कहा कि कोई डेटा लीक नहीं हुआ है और रिपोर्ट झूठी और दुर्भावनापूर्ण है। कंपनी ने कहा कि उसने अपने बिलिंग संचार में संभावित लीक के बारे में जानने के बाद इसे %तुरंत ठीक किया% और कोई डेटा उल्लंघन नहीं हुआ। यह पता लगाने के लिए एक संपूर्ण फोरेंसिक विश्लेषण किया गया। वोडाफोन आइडिया ने कहा कि वह नियमित जांच करती है और सुरक्षा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए ऑडिट किए जाते हैं।

रॉयल एनफील्ड की 650सीसी बाइक आ रही जल्द

-क्रूजर के प्रोटोटाइप की टेस्टिंग कर रही कंपनी

नई दिल्ली ।

महंगी बाइक बनाने वाली कंपनी रॉयल एनफील्ड को 650 सीसी प्लेटफॉर्म पर आधारित क्रूजर के प्रोटोटाइप की टेस्टिंग कर रही है, एक क्लासिक-थीम वाला 650 रोडस्टर और सिंगल और डुअल-सीटर वेरिएंट में एक बॉबर-स्टाइल एसजी 650 कॉन्सेप्ट पर आधारित मोटरसाइकिल है। इस साल की शुरुआत में आने वाला पहला क्रूजर होने की उम्मीद है। हाल ही में देखे गए रॉयल एनफील्ड सुपर मेटियोर 650 का प्रोटोटाइप नियर प्रॉडक्शन मॉडल है यानी जब यह मॉडल बाजार में उतरेगा तो इसमें अब ज्यादा बदलाव देखने को नहीं मिलेंगे।वे उन अटकलों को भड़काते हैं कि उत्पादन मॉडल नवंबर में इटली के मिलान में ईआईसीएमए शो में अपनी वैश्विक शुरुआत करेगा।अगर ऐसा होता है, तो यह अपसाइड-डाउन फ्रंट फोक्र्स का दावा करने वाली पहली आरई बाइक बन जाएगी। यह उसी 648 सीसी समानांतर ट्विन-सिलेंडर इंजन द्वारा संचालित होगा जो 650 ट्विन्स में अधिकतम 47 पीएस और 52 एनएम पीक टॉर्क का उत्पादन करता है।इसे छह-स्पीड ट्रांसमिशन के साथ जोड़ा गया है जबकि एक स्लिपर क्लच मानक के रूप में पेश किया जाएगा। बता दें कि रॉयल एनफील्ड पिछले एक-एक साल में अपनी कई नई मोटरसाइकिलों की टेस्टिंग कर रही है। चेन्नई स्थित निर्माता के पास निश्चित रूप से अपनी 650 सीसी रेंज के साथ बड़ी योजनाएं हैं क्योंकि अलग अलग सेगमेंट में और ज्यादा मॉडल्स जोड़ने की कंपनी की प्लानिंग है।ब्रांड को हाल के वर्षों में न केवल भारत में बल्कि यूरोप, अमेरिका और दक्षिण पूर्व एशिया में भी काफी पसंद किया जा रहा है.मौजूदा 650 सीसी रेंज में इंटरसेप्टर 650 और कॉन्टिनेंटल जीटी 650 शामिल हैं और 2018 में इन्हें कंपनी ने अग्रेसिव प्राइसिंग के साथ लॉन्च किया था।जिसके परिणामस्वरूप सेल काफी बेहतर रही और बाकी कॉम्पटिटर्स को पीछे छोड़ने में कंपनी कामयाब रही।

बजाज की मोटरसाइकिल पल्सर 180 मॉडल बंद

-कंपनी की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया

नई दिल्ली । स्वदेशी कंपनी बजाज ऑटो ने पल्सर सीरीज की पॉपुलर मोटरसाइकिल पल्सर 180 मॉडल बंद कर दिया है। इसको लेकर कंपनी की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन इसे बजाज की ऑफिशियल वेबसाइट से हटा दिया गया है। माना जा रहा है कि यह फैसला मॉडल की कम डिमांड की वजह से लिया गया है। पल्सर 180 भारतीय बाजार में लॉन्च होने वाला पल्सर का सबसे पहला मॉडल था। लॉन्च होने के बाद से ही स्टाइलिश लुक और व्यावहारिकता की वजह से यह कुछ ही समय में आईकॉनिक मॉडल बन गया था।जब इसे पहली बार लॉन्च किया गया था, तब पल्सर 180 भारत में मिलने वाली कुछ किफायती स्पोर्ट मोटरसाइकिल में से एक थी।पल्सर सीरीज को पहली बार 2001 में लॉन्च किया गया था।इससे पहले पल्सर 180 को 2019 में बीएस6-एमिशन नॉर्म्स की चलते बंद कर दिया गया था।बजाज ने पल्सर 180 को इसके अपडेट मॉडल पल्सर 180एफ से रिप्लेस किया।इसके बाद फरवरी 2021 में कंपनी ने पल्सर 180 को एक बार फिर से लॉन्च किया और 180एफ को रिप्लेस कर दिया।जहां पल्सर 180 का बंद होना इसे पसंद करने वालों को निराश कर सकता है, वहीं इस कदम को बजाज के लाइन-अप में नए पल्सर मॉडल के लिए जगह बनाने के लिए भी देखा जा रहा है.पल्सर के 180सीसी मॉडल 178.6सीसी सिंगल सिलेंडर एयर कूल्ड इंजन के साथ आती थी।यह इंजन 8,500 आरपीएम पर 17एचपी की मैक्सिमम पावर और 6,500 आरपीएम पर 14.2 एनएम का पीक टॉर्क जनरेट कर सकता है।इसमें 5-स्पीड गियरबॉक्स देखने को मिलता था। पल्सर 180 के फीचर्स की बात करें तो यह हैलोजन हेडलैंप और सेमी डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर के साथ आती है।सस्पेंशन के लिए इसमें एक टेलीस्कोपिक फोर्क और मोनो-शॉक मिलता है।इस बाइक में इस साल जून में लॉन्च हुई पल्सर एन160 की तर्ज पर डिजाइन और फीचर्स होंगे।अपकमिंग बाइक को पहले ही रियल लाइफ कंडीशन में टेस्टिंग के दौरान कई बार देखा गया है।यह आने वाले महीने में बाजार में आ सकती है। बाइक में 280 एमएम फ्रंट डिस्क और 230एमएम रियर डिस्क से लैस थी।खबर है कि कंपनी भारत में पल्सर एन150 का न्यू-जनरेशन मॉडल लॉन्च करने की तैयारी कर रही है।

सुजुकी भारत में करेगी 18 हजार करोड़ का निवेश

नई दिल्ली । सुजुकी मोटर ने भारत में 18 हजार करोड़ रुपए का निवेश करने जा रही है। सुजुकी मोटर ने घोषणा की है कि वह भारत में एक नया सुजुकी आरएंडडी सेंटर की स्थापना करेगा। सुजुकी के 40 साल पूरे होने के अवसर पर पीएम नरेंद्र मोदी ने गुजरात के हंसलपुर में इलेक्ट्रिक व्हीकल बैटरी मैन्युफैक्चरिंग प्लांट और हरियाणा के खरखौदा में पैसेंजर व्हीकल प्लांट की नींव रखी। सुजुकी ने ईवी प्लांट के लिए 10 हजार करोड़ रुपए के निवेश का फैसला किया है। ऐसा माना जा रहा है कि मारुति साल 2025 से इलेक्ट्रिक वाहनों का उत्पादन शुरू कर सकती है। गौरतलब है कि मारुति उद्योग लिमिटेड की स्थापना साल 1981 में हुई थी। यह कंपनी एक पब्लिक सेक्टर कंपनी थी। 1982 में जापानी ऑटोमेकर सुजुकी ने मारुति के साथ ज्वाइंट वेंचर स्थापित किया था। वर्तमान में आरसी भार्गव मारुति सुजुकी इंडिया के चेयरमैन हैं। हंसलपुर में मारुति अपने नए प्लांट पर लगभग 7,300 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। यह इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए एडवांसड कैमिस्ट्री सेल बैटरीज़ का निर्माण करेगी। वहीं हरियाणा के खरखोदा स्थित वाहन निर्माण इकाई में हर साल 10 लाख यात्री वाहनों के निर्माण की क्षमता होगी, जिससे ये दुनिया में एक ही साइट पर सबसे बड़ी यात्री वाहन निर्माण इकाइयों में से एक बन जाएगी। इस परियोजना का पहला चरण 11,000 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश के साथ स्थापित किया जाएगा।

कच्चा तेल फिर 100 डॉलर के पार, पेट्रोल-डीजल की कीमत नहीं बदली

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर तेजी आनी शुरू हो गई है और भाव 100 डॉलर के पार निकल गए हैं। ब्रेंट क्रूड की 101 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई 933.21 डॉलर प्रति बैरल के भाव बिक रहा है। हालांकि, कच्चे तेल में उछाल के बावजूद सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में सोमवार को भी कोई बदलाव नहीं किया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपए और डीजल 89.96 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर है।

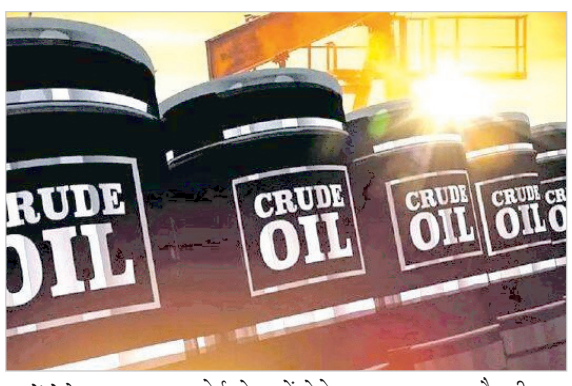

रिलायंस की एजीएम में हो सकती है बढ़ी घोषणा

मुंबई ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज की 45वीं एजीएम की बैठक सोमवार को दोपहर दो बजे से शुरू होगी। रिलायंस इंडस्ट्रीज के मुखिया मुकेश अंबानी इस एजीएम को वीडियो क्रॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करेंगे। सोशल मीडिया के कई प्लेटफार्म्स पर भी इस एजीएम का प्रसारण होगा। कारोबार जगत की नजर इस एजीएम पर बनी हुई है। इस बैठक के एजेंडे को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं। माना जा रहा है कि इस बार की एजीएम में कई बड़ी घोषणाएं की जा सकती हैं जिसमें रिलायंस जियो के आईपीओ से लेकर रिलायंस रिटेल के आईपीओ की घोषणाएं शामिल हैं। इस एजीएम में 5जी मोबाइल सर्विस लॉन्च करने की घोषणा भी हो सकती है।

बता दें कि इससे पहले 2019 की एजीएम बैठक में कंपनी के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने अगले पांच वर्षों में रिलायंस जियो और रिलायंस रिटेल को स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टिंग कराने की बात कही थी। जेएम फाइनैंशियल का मानना है कि रिलायंस इंडस्ट्रीज के एजीएम में रिलायंस जियो, रिलायंस डिजिटल और ऑयल टू केमिकल यूनिट के आईपीओ के टाइमलाइन की घोषणा की जा सकती है। वहीं ब्रोकरेज फर्म सीएलएसए का मानना है कि रिलायंस जियो के आईपीओ को इस वर्ष लॉन्च किया जा सकता है जिसका मार्केट वैल्यू 100 बिलियन डॉलर (8 लाख करोड़ रुपए) रहने का अनुमान है। सीएलएसए के मुताबिक रिलायंस जियो का आईपीओ पूरे टेलिकॉम सेक्टर के वैल्यूएशन के लिहाज से एक बड़े उत्प्रेरक का काम करेगा। माना जा रहा है कि मुकेश अंबानी रिलायंस इंडस्ट्रीज के एजीएम में 5जी सेवा की लॉन्चिंग का ऐलान कर सकते हैं। 5जी स्पेक्ट्रम हासिल करने के लिए रिलायंस जियो ने 88,078 करोड़ रुपए खर्च किए हैं।

रिलायंस रिटेल ने मेट्रो कैश एंड कैरी खरीदने 5,600 करोड़ की बोली लगाई

नई दिल्ली।

देश के प्रमुख कारोबारी मुकेश अंबानी की की रिलायंस रिटेल ने भारत में मेट्रो कैश एंड कैरी के कारोबार को खरीदने के लिए 5,600 करोड़ रुपए की बोली लगाई है। जानकारों का कहना है कि यह नॉन-बाइंडिंग बोली है। हालांकि रिलायंस इसे खरीदने की होड़ में अकेली नहीं है। थाईलैंड की सबसे बड़ी कंपनी सीपी ग्रुप ने करीब एक अरब डॉलर (8,000 करोड़ रुपए) की बोली लगाई है। यह जर्मन कंपनी की उम्मीदों के मुताबिक है। कंपनी करीब 19 साल बाद भारत में अपना होलसेल कारोबार बंद करने की तैयारी में है।

सूत्रों के मुताबिक मेट्रो इंडिया ने अपने परफॉरमेंस और आगे की संभावनाओं के बारे में रिलायंस और सीपी की सीनियर टीम के सामने प्रजेंटेशन दिया है। यह प्रजेंटेशन दो हफ्ते पहले बेंगलूरु में दिया गया था। इसमें मर्चेंट बैंकर्स भी शामिल थे। इस बारे में ईटी के ईमेल का जबाव देते हुए मेट्रो कैश एंड कैरी इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि हम अफवाहों और अटकलों पर टिप्पणी नहीं करते हैं। इस बारे में रिलायंस और सीपी ग्रुप ने उन्हें भेजे गए ईमेल का जवाब नहीं दिया।

एक सूत्र ने कहा कि मेट्रो इंडिया की पेरेंट जर्मन कंपनी मेट्रो एजी भारत में रेगुलेटरी माहौल और स्वेदशी वर्सेज विदेशी पर चल रही बहस से चिंतित है। भारतीय कंपनियों से जुड़े लॉबी ग्रुप्स का आरोप है कि विदेशी रिटेल कंपनियों ने एफडीआई नियमों का उल्लंघन किया है। हालांकि विदेशी कंपनियों ने हमेशा इन आरोपों का खंडन किया है। इसके मद्देनजर मेट्रो एजी के भारतीय कारोबार को खरीदने की दौड़ में रिलायंस को सबसे आगे माना जा रहा है। हालांकि थाईलैंड की कंपनी की नजर भी इस पर है।

पाकिस्तान भारत से कर सकता है टमाटर और प्याज का आयात

लाहौर ।

पाकिस्तान में आई विनाशकारी बाढ़ के कारण विभिन्न सब्जियों और फलों की कीमतों में भारी उछाल के बीच पाकिस्तान सरकार भारत से टमाटर और प्याज का आयात कर सकती है। बाजार के थोक व्यापारियों का कहना है कि रविवार को लाहौर के बाजारों में टमाटर और प्याज की कीमत क्रमशः 500 रुपए और 400 रुपए किलो रही। हालांकि, रविवार के बाजारों में टमाटर और प्याज समेत अन्य सब्जियां नियमित बाजारों की तुलना में 100 रुपए प्रति किलोग्राम कम कीमत पर उपलब्ध थीं। उनका कहना है कि आने वाले दिनों में खाने पीने की चीजों की कीमतें और बढ़ेंगी क्योंकि बाढ़ के कारण बलूचिस्तान, सिंध और दक्षिण पंजाब से सब्जियों की आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हुई है। बताया जा रहा है कि आगामी दिनों में प्याज और टमाटर की कीमत 700 रुपए किलो के पार जा सकती है। इसी तरह आलू की कीमत 40 रुपए किलो से बढ़कर 120 किलो हो गई है। बताया जा रहा है कि सरकार वाघा सीमा के जरिए भारत से प्याज और टमाटर आयात करने के विकल्प पर विचार कर रही है। वर्तमान में लाहौर और पंजाब के अन्य शहरों में तोरखम सीमा के जरिए अफगानिस्तान से टमाटर और प्याज की आपूर्ति हो रही है।

विराट के हर 100 वें मैच में छाये रहे जडेजा

दुबई । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज बल्लेबाज विराट कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ रविवार को टी20 मैच में उतरते ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। विराट इसी के साथ तीनों प्रारुपों में 100-100 मुकाबले खेलने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बने हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अबतक क्रिकेट के तीनों प्रारूप में 100 या उससे अधिक मुकाबले खेलने का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर रॉस टेलर के नाम ही दर्ज है। ऐसे में अब कोहली भी टेलर के साथ इस खास सूची में शामिल हो गये। विराट के इस सौवें मुकाबले में ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा ने भी शानदार प्रदर्शन किया। यह भी एक संयोग ही है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में विराट ने जब भी किसी प्रारूप में अपना 100वां मुकाबला खेला है। उसमें जडेजा का प्रदर्शन शानदार रहा है। कोहली ने इसके पहले जब साल साल 2013 में वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय में अपना 100वां मैच खेला था तब भी जडेजा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच विकेट लिए थे। जडेजा के इस प्रदर्शन से तब भारतीय टीम मुकाबला जीतने में सफल रही थी। इसके बाद इसी साल विराट ने जब अपना 100 वां टेस्ट खेला था। तब भी जडेजा ने अच्छी बल्लेबाजी करते हुए अपने टेस्ट करियर की नाबाद 175 रनों की सबसे बड़ी पारी खेली थी। इसके बाद जब उन्हें गेंदबाजी में मौका मिला तो उन्होंने कुल नौ विकेट लिए थे।

भारतीय टीम की पाक पर शानदार विजय पर पीएम मोदी ने दी बधाई

राहुल गांधी ने ट्वीट किया- क्या रोमांचक मैच था

नई दिल्ली।

एशिया कप स्पर्धा के पहले मैच में रविवार को भारतीय टीम ने पाकिस्तान पर शानदार जीत हासिल करने पर पीएम नरेंद्र मोदी ने बधाई देते हुए कहा कि टीम ने जबर्दस्त कौशल और धैर्य का प्रदर्शन किया। भारत ने दुबई में खेले गए मैच में पाकिस्तान को पांच विकेट से हराया। पीएम मोदी ने जीत के मिनटों बाद ही ट्वीट में कहा, 'टीम इंडिया ने एशिया कप 2022 के मैच में शानदार प्रदर्शन किया। टीम ने जबर्दस्त कौशल और धैर्य का प्रदर्शन किया। उन्हें जीत पर बधाई।' कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ट्वीट किया, 'क्या रोमांचक मैच था। भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। खेलों की खूबसूरती यही है कि यह कैसे देश को प्रेरित और एकजुट करते हैं। जबर्दस्त हर्ष और गर्व की अनुभूति।' गृहमंत्री अमित शाह ने ट्वीट किया, 'एशिया कप में भारतीय टीम की शानदार शुरुआत। बहुत ही रोमांचक मुकाबला। इस शानदार जीत पर टीम को बधाई।' आपको बता दें कि हार्दिक पंड्या के हरफनमौला प्रदर्शन के दम पर भारत ने एशिया कप में अपने पहले मुकाबले में रविवार को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को पांच विकेट से हरा दिया। हार्दिक ने पहले गेंदबाजी में अपनी उपयोगिता साबित करते हुए चार ओवर में 25 रन देकर तीन विकेट लिये जिसके दम पर भारत ने पाकिस्तान को 19.5 ओवर में 147 रन पर समेट दिया। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए 17 गेंद में नाबाद 33 रन बनाये और रविंद्र जडेजा (29 गेंद में 35 रन) के साथ 52 रन की साझेदारी करके भारत को जीत दिलाई।

इससे पहले भारत के शीर्षक्रम के बल्लेबाजों ने निराश किया। केएल राहुल खाता भी नहीं खोल सके, जबकि कप्तान रोहित शर्मा 18 गेंद में 12 रन बनाकर आउट हुए। विराट कोहली ने 34 गेंद में 35 रन बनाये, लेकिन बड़ी पारी की ओर बढते हुए वह गैर जिम्मेदाराना शॉट खेलकर आउट हुए। पाकिस्तान के लिये पदार्पण कर रहे नसीम शाह ने भारतीय बल्लेबाजों को काफी परेशान किया। एक समय भारत का स्कोर चार विकेट पर 89 रन हो गया था जिसके बाद जडेजा और पंड्या ने जिम्मा संभाला।

एशिया कप के सुपर फोर में एक बार फिर हो सकता है भारत-पाक मुकाबला

दुबई ।

एशिया कप क्रिकेट में भारत और पाकिस्तान की टीमों के बीच अब चार सितंबर को एक बार फिर मुकाबला हो सकता है। इसका कारण है कि भारत और पाक दोनो ही टीमें ग्रुप ए में हैं। इसमें तीसरी टीम हांगकांग है। भारतीय टीम को 31 अगस्त को हांगकांग के खिलाफ मुकाबला खेलना है। भारतीय टीम अगर यहां जीत मिलती है तो वह सुपर फोर मुकाबलों के लिए आसानी से क्वालीफाई कर जाएगी। वहीं पाक टीम को इसके लिए दो सितंबर को होने वाले मुकाबले में हांगकांग हो हराया होगा। हांगकांग की कमजोर टीम को देखते हुए भारत-पाक के लिए यह मुकाबला जीतना कठिन नहीं रहेगा। ऐसे में ग्रुप ए की दो विजेता टीमें चार सितंबर को एक बार फिर टकरायेंगी। वहीं अगर भारत से हांगकांग जीत जाती है तो ऐसी स्थिति में पाक टीम को सुपर फोर में पहुंचने के लिए हर हाल में हांगकांग पर जीत दर्ज करनी होगी। इसके बाद तीनों टीमों के अंकों को देखते हुए सुपर फोर मुकाबले का फैसला होगा। लिया जाएगा। हांगकांग टीम से उलटफेर की संभावना नहीं है। ऐसे में भारत और पाक की एक और टक्कर पक्की नजर आ रही है।

सुपर फोर मुकाबले:

3 सितंबर: बी1 बनाम बी2, शारजाह - शाम 7:30 बजे (भारतीय समयानुसार)

4 सितंबर: ए1 बनाम ए 2, दुबई - शाम 7:30 बजे (भारतीय समयानुसार)

6 सितंबर: ए1 बनाम बी1, दुबई - शाम 7:30 बजे (भारतीय समयानुसार)

7 सितंबर: ए2, बनाम बी2, दुबई - शाम 7:30 बजे (भारतीय समयानुसार)

8 सितंबर: ए1 बनाम बी2, दुबई - शाम 7:30 बजे (भारतीय समयानुसार)

9 सितंबर: बी1बनाम ए2, दुबई- शाम 7:30 बजे(भारतीय समयानुसार)

फाइनल:

11 सितंबर: फाइनल, दुबई- शाम 7:30 बजे (भारतीय समयानुसार)।

आईसीसी के नये नियम से प्रभावित रहीं भारत-पाक टीमें

दुबई। एशिया कप में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के नये नियम से भारत और पाकिस्तान दोनो ही टीमें प्रभावित रही हैं। इस मैच में दोनों ही टीमों के कप्तानों पर दबाब भी नजर आया। भारतीय टीम ने नये नियम से लाभ उठाते हुए पाक पर शानदार जीत दर्ज की। दोनो ही टीमें आईसीसी के नए नियम के अनुसार ढ़ल नहीं पायीं और तय समय में 20 ओवर नहीं कर पायीं। आईसीसी के नए नियम के अनुसार गेंदबाजी करने वाली टीम को तय समय के अंदर अपने कोटे के ओवर पूरे करने होते हैं। वहीं अगर टीम निर्धारित समय में ऐसा नहीं कर पाती है तो बाकी बचे ओवरों में उसका एक फील्डर 30 गज के दायरे से बाहर नहीं रह सकता। इस नियम से गेंदबाजी करने वाली टीम नुकसान में रहती है। अभी पावरप्ले के बाद 30 गज के सर्कल के बाहर 5 फील्डर रहते हैं पर नए नियमों के बाद केवल 4 फील्डर ही घेरे के बाहर रह पाएंगे। पाकिस्तान की टीम एक समय 17 ओवर में सात विकेट के नुकसान पर 114 रन पर थी लेकिन अंतिम ओवरों में भारतीय टीम को धीमी ओवर गति के कारण अपना एक फील्डर 30 गज के अंदर लाना पड़ा। इसके बाद पाक के निचले क्रम के बल्लेबाजों ने तेजी से रन बनाते हुए अंतिम 17 गेंदों में 33 रन बना दिये। वहीं पाक टीम भी निर्धारित समय में 17 ओवर ही फेंक पायी थी। इसके बाद उसे भी अंतिम ओवरों में एक फील्डर सर्कल के अंदर लाना पड़ा। यहीं से भारतीय बल्लेबाजों को अवसर मिल गया और मैच पाक के हाथों से निकल गया।

श्रीलंका को बांग्लादेश के खिलाफ बेहतर बल्लेबाजी की उम्मीद

शारजाह ।

पहले मैच में अफगानिस्तान से हारी श्रीलंका को बांग्लादेश के खिलाफ मंगलवार को एशिया कप के दूसरे मुकाबले में अपने बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। पहले मैच में अफगानिस्तान के तेज गेंदबाजों के सामने श्रीलंकाई बल्लेबाज टिक नहीं सके थे। दूसरी ओर टूर्नामेंट में अपना पहला मैच खेल रही शाकिब अल हसन की अगुवाई वाली बांग्लादेशी टीम इस प्रारूप में अपना रिकॉर्ड बेहतर करना चाहेगी। पिछले साल विश्व कप के बाद से उसने इस प्रारूप में 13 में ये दो ही मैच जीते हैं। श्रीलंका के कप्तान दासुन शनाका को उम्मीद है कि बांग्लादेशी गेंदबाजी आक्रमण अफगानिस्तान की तरह खतरनाक नहीं होगा। उन्होंने पहले मैच में मिली हार के बाद कहा, 'अफगानिस्तान के पास विश्व स्तरीय गेंदबाजी आक्रमण है। हमें पता है कि मुस्ताफिजूर रहमान अच्छा गेंदबाज है और शाकिब भी। लेकिन उनके अलावा बांग्लादेश के पास कोई विश्व स्तरीय गेंदबाज नहीं है। अफगानिस्तान की तुलना में बांग्लादेश की चुनौती आसान है। अफगानिस्तान के तेज गेंदबाजों फजलहक फारूकी और नवीनुल हक ने श्रीलंकाई पारी की कमर तोड़ दी थी।

शनाका ने उम्मीद जताई कि बांग्लादेश के खिलाफ उनके

बल्लेबाज बेहतर तैयारी के साथ उतरेंगे। वहीं बांग्लादेश के हरफनमौला मेहदी हसन ने कहा कि उनकी टीम शनाका के दावे का जवाब मैदान पर देगी। उन्होंने कहा, 'हम इस पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहते कि यह टीम अच्छी है या वह टीम खराब है। यह मैदान पर साबित होगा। खराब खेलने पर अच्छी टीम भी हार सकती है और अच्छा खेलने पर बुरी टीम भी जीत सकती है।

संक्षिप्त समाचार

रोहित टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा एशिया कप 2022 के पहले मैच में पाकिस्तान के खिलाफ केवल 12 रन ही बना पाये पर इसके बाद भी उनके नाम एक अहम रिकार्ड दर्ज हो गया है। रोहित टी20 अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में पहले नंबर पर आ गए हैं। रोहित ने इस मैच में 18 गेंदों पर एक छक्के की सहायता से 12 रन बनाए। रोहित अब टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर मार्टिन गप्टिल को पीछे छोड़ते हुए नंबर एक पर पहुंच गये हैं। गप्टिल अब दूसरे नंबर पर खिसक गये हैं जबकि विराट कोहल तीसरे नंबर पर हैं। रोहित के अब टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के 133 मैचों में 4 शतक की सहायता से 3499 रन हो गये हैं। वहीं गप्टिल ने 121 मैचों में 2 शतक की मदद से 3497 रन बनाए हैं और वह दूसरे नंबर पर हैं। तीसरे नंबर पर आये विराट ने अब तक 100 मैचों में 3343 रन बनाए हैं।

पूर्व खिलाड़ियों ने शानदार जीत पर भारतीय टीम को सराहा

दुबई । एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के पहले ही मुकाबले में पाकिस्तान पर मिली शानदार जीत के साथ ही भारतीय टीम ने जहां पिछले साल टी20 विश्व कप में मिली हार का हिसाब बराबर कर लिया। वहीं भारतीय टीम की शानदार जीत पर पूर्व खिलाड़ियों ने भी खुशी जताते हुए टीम को जमकर सराहा है। इन क्रिकेटरों ने सोशल मीडिया के जरिये भारतीय टीम को जीत की बधाई दी है। इस मैच में भारतीय टीम ने कप्तान रोहित शर्मा के विफल होने और लोकेश राहुल के पहले ही गेंद पर आउट होने के बाद भी मध्य क्रम ने शानदार प्रदर्शन कर टीम को मुकाबले में बनाये रखा। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने 35, रविन्द्र जडेजा ने 35 रन बनाये। इसके अलावा हार्दिक पंड्या ने भी नाबाद 33 रनों की आक्रामक पारी खेलकर भारतीय टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। भारतीय टीम ने अंतिम दो ओवरों में मैच पर कब्जा किया। इस मैच में ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने अहम भूमिका निभाई। गेंदबाजी में तीन विकेट लेने के साथ ही उन्होंने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 35 रन बनाये। पंड्या ने कहा कि उन्होंने पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी सीखा है कि ऐसे कठिन हालातों में दिमाग को शांत रखकर किस प्रकार मैच जीता जा सकता है।

हाईटेक होगी मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय, सीएम योगी ने दिया निर्माण तेज करने का निर्देश

मेरठ।

पश्चिम उत्तर प्रदेश के मेरठ में सरधना स्थित सलावा में बन रहे मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय का निर्माण तीव्र गति से किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करते हुए खेल यूनिवर्सिटी से संबंधित सभी कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि इस विवि का जल्द से जल्द विकास किया जाना चाहिए।

यूनिवर्सिटी बनने के बाद खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होने वाली विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भारतीय खिलाड़ी बेहतर परफॉर्म कर सकें। अगर ओलंपिक खेलों की बात की जाए तो हॉकी, वॉलीबॉल, ट्रैक एंड फील्ड, शूटिंग रेंज, जैवलिन थ्रो, भारोत्तोलन आदि की आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाएं दी जाएंगी। क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी योगेंद्र पाल सिंह ने बताया कि भारत के पारंपरिक खेल जैसे मलखंभ, खो-खो जैसे खेलों को प्रोत्साहन के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा।

मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय की बात करें तो आधुनिकता मैदानों के साथ ओलंपिक साइज के स्विमिंग पूल, साइक्लिंग ट्रैक, सिंथेटिक ट्रैक, विश्वविद्यालय में प्रशासनिक भवन, शैक्षणिक भवन, छात्रों के हॉस्टल एवं प्राध्यापकों के कर्मचारियों के आवास भी परिसर में ही बनाए जाएंगे। खेल विश्वविद्यालय की बात की जाए तो यहां पर 540 पुरुष और 540 महिला को मिलाकर 1080 खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। खेल यूनिवर्सिटी संचालित होने के बाद उत्तर प्रदेश ही नहीं बल्कि सभी राज्यों के खिलाड़ी इस यूनिवर्सिटी में प्रवेश के लिए आवेदन कर पाएंगे। दरअसल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय का शिलान्यास किया गया था। इस विश्वविद्यालय के लिए केंद्र और राज्य दोनों ही सरकारें पैसे खर्च कर रही हैं, जिसमें कुल 700 करोड पर का बजट है।

गेंदबाजी करते हुए खेल के बारे में सोचना गेंदबाजी कौशल जितना ही महत्वपूर्ण: भुवनेश्वर

दुबई : एशिया कप के पहले मैच में पाकिस्तान पर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले खिलाड़ियों में शामिल रहे तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार का मानना है कि प्रत्येक विरोधी खिलाड़ी के खिलाफ ठोस योजना होना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना मैदान पर अपने कौशल का प्रदर्शन करना। भुवनेश्वर ने पाकिस्तान के खिलाफ भारत की पांच विकेट की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए विरोधी कप्तान बाबर आजम के विकेट सहित चार विकेट चटकाए। इस 32 वर्षीय तेज गेंदबाज ने पाकिस्तानी कप्तान को अपने दूसरे ही ओवर में बाउंसर से हैरान किया जिन्होंने पुल करने की कोशिश में शॉर्ट फाइन लेग पर अर्शदीप सिंह को कैच थमाया। भुवनेश्वर ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'खिलाड़ी के लिए महत्वपूर्ण है कि उसके पास पहले से ही योजना हो, फिर चाहे यह बल्लेबाजी हो या गेंदबाजी क्योंकि टी20 काफी तेजी से बदलने वाला प्रारूप है। उन्होंने कहा, 'विकेट से स्विंग करने में मदद नहीं मिल रही थी और उछाल भी अधिक था इसलिए हमने योजना बनाई। हम जानते थे कि बल्लेबाज की ताकत क्या है और जब हम कुछ और गेंद फेंकते हैं तो हमें बेहतर नजरिया मिलता है।' इस तेज गेंदबाज ने कहा, 'मेरा मानना है कि खेल के बारे में सोचना इतना ही महत्वपूर्ण है जितना आपका कौशल।' भारतीय टीम ने शॉर्ट पिच गेंदों से पाकिस्तान के बल्लेबाजों को परेशान किया और आखिरकार विरोधी टीम को 147 रन पर समेट दिया। भुवनेश्वर को लगता कि बाबर के विकेट ने पाकिस्तान की योजना को नुकसान पहुंचाया क्योंकि पारी को संवारने के लिए वह उन पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा, 'बाबर के आउट होने के बाद हमने यह नहीं सोचा था कि पाकिस्तान की आधी टीम आउट हो गई है। वह एक अच्छा खिलाड़ी है लेकिन तकनीकी रूप से नौ अन्य बल्लेबाज बाकी थे।' भुवनेश्वर ने कहा, 'एक टीम के रूप में हमें नहीं लगता कि अगर सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज आउट हो जाता है तो आधी टीम आउट हो जाती है।' उन्होंने कहा, 'लेकिन हां एक बार जब वह आउट हो गए तो हमें पता था कि उनकी योजना प्रभावित होगी क्योंकि पारी को संजोकर रखने वाला बल्लेबाज आउट हो गया था।'

पब में अश्लील हरकत करने वाले खिलाड़ियो पर कार्रवाई करेगा फुटबॉल क्लब

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के एक पब में पार्टी के दौरान एक फुटबॉल क्लब ग्लेन विवरली के खिलाड़ियों को अश्लील हरकत करते हुए पाया गया था। अब इस मामले का एक वीडियो वायरल होने के बाद क्लब का एक बयान आया है जिसमें कहा गया है कि दोषी खिलाड़ियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। एक रिपोर्ट के अनुसार यह वीडियो इसी माह का है। एक पब में पार्टी के दौरान इन फुटबॉलरों ने अश्लील हरकत की थी। वीडियो में खिलाड़ी नशे में पाये जाने के साथ ही अन्य लोगों से अभद्र तरीके से व्यवहार कर रहे के। इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद से ही इन खिलाड़ियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठने लगी थी। अब फुटबॉल क्लब ने एक बयान जारी कर कहा है कि इस मामले में जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी पर यह नहीं बताया कि किस प्रकार के कदम उठाये जाएंगे। क्लब ने कहा कि खिलाड़ियों ने जिस पार्टी में ये हरकत की, उसका आयोजन न तो क्लब ने किया था और न ही उसकी अनुमति दी थी। अब देखना है कि लोगों के विरोध को देखते हुए क्लब इस मामले में क्या कार्रवाई करता है।

बैडमिंटन खिलाड़ी का दावा, चीनी अधिकारियों ने ओलंपिक दौरान सेमीफाइनल में हारने का दिया था आदेश

बीजिंग।

चीनी बैडमिंटन खिलाड़ी ये झाओयिंग ने खुलासा किया कि साल 2000 में सिडनी ओलंपिक के दौरान चीनी अधिकारियों ने उन्हें चीनी हमवतन गोंग झीचाओ के खिलाफ महिला एकल सेमीफाइनल में हारने का आदेश दिया था क्योंकि फाइनल में उनके हारने की सबसे अधिक संभावना थी। पूर्व बैडमिंटन विश्व नंबर 1 झाओयिंग ने टूर्नामेंट के अंतिम चार में प्रवेश किया था। इस बीच दूसरे सेमीफाइनल में डेनमार्क की कैमिला मार्टिन और चीन की दाई युन का आमना-सामना होना था। जैसा कि झाओयिंग और उनके हमवतन गोंग पहले खेल रही थी, चीनी अधिकारी स्वर्ण पदक हासिल करने का सबसे अच्छा मौका चाहते थे और फैसला किया कि डेनमार्क के फाइनल में पहुंचने पर मार्टिन को हराने की सबसे अधिक संभावना थी। डेनिश ब्रॉडकास्टर टीवी 2 स्पोर्ट के अनुसार चीन की टीम के मुख्य कोच ली योंगबो और महिला एकल के मुख्य कोच तांग जुएहुआ ने मैच से एक रात पहले झाओयिंग से कहा कि उन्हें जानबूझकर हारना है। झाओयिंग ने कहा कि ऐसे फरमान पर आप बहुत बेबस महसूस करते हैं क्योंकि आप पूरे सिस्टम के खिलाफ अकेले हैं। ओलंपिक एक एथलीट के रूप में जीवन में लगभग एक बार मिलने वाला अवसर है, इसलिए जब आपको खुद को हारने देना होता है तो यह वास्तव में दुखद होता है। लेकिन एक व्यक्ति के रूप में मैं सिस्टम के खिलाफ कुछ नहीं कर सकी। झाओयिंग ने आरोप लगाया कि इस जोड़ी ने उससे कहा कि उसे हार में बहुत स्पष्ट नहीं होना है और उसे मैच को तीसरे राऊंड तक नहीं ले जाना है और गोंग को थकने नहीं देना है। इसके लिए उनको 112,500 चीनी युआन (यूरो 13,900/यूएसडी 16,300) का बोनस ऑफर दिया गया, जो एक ओलंपिक चैंपियन को भी दिया गया था। झाओयिंग सेमीफाइनल में गोंग से 11-8, 11-8 से हार गई जिसने मार्टिन के खिलाफ 13-10, 11-3 से जीत के साथ अपना एकमात्र ओलंपिक खिताब हासिल किया। चीन के लिए ओलंपिक सबसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट है। न केवल खिलाड़ियों के लिए बल्कि विशेष रूप से चीनी खेल संघ के कोचों और शीर्ष प्रबंधन के लिए भी। झाओयिंग ने कहा, उन्हें एक लक्ष्य के साथ आना होता है कि वे कितने स्वर्ण पदक जीतने की उम्मीद करते हैं। इसलिए कोचों और प्रबंधन के लिए सोना घर लाना वास्तव में महत्वपूर्ण है, अन्यथा उन्हें निकाल दिया जाएगा।

इसलिए वे कई और मैचों को फिक्स करना शुरू कर देते हैं। झाओयिंग ने दाई के साथ मैच में 8-11, 11-2, 11-6 से कांस्य पदक जीता। उन्होंने कहा, उसके पास आदेश का पालन करने के अलावा कोई मौका नहीं था क्योंकि उन्होंने दावा किया कि अगर वह सेमीफाइनल जीत जाती लेकिन निर्णायक मैच में हार जाती है तो चीन उसे देशद्रोही समझेगा।

अटलांटा में टूर चैम्पियनशिप गोल्फ ट्रॉफी जीतने के बाद उत्साहित रॉरी मैकलरॉय।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ये तेरा मेरा रिश्ता

भागदौड़ भरी जिंदगी और उसमें वर्कलोड की अधिकता रिश्तों में मीलों की दूरियां बढ़ा रहा है। बढ़ती महंगाई और आपके भौतिकवादी विचार ने आज रिश्तों के बीच दूरियां कायम कर दिया है।

आज जीवन पद्धति ने इंसान को व्यस्त कर दिया है, जिससे वो अपने किसी रिश्ते को सही से समय नहीं दे पा रहा है। आज के वैवाहिक जीवन में कपल्स शौक, जरूरत और उन्नति के लिए जॉब को प्राथमिकता देने लगे हैं। ऐसे में उनको एक दूसरे के साथ रहने के लिए बहुत ही कम समय निकल पाता है। इतने कम समय में वे अपने घरेलू कामों में ही लगे रहते हैं और एक-दूसरे के लिए बहुत ही कम समय दे पाते है, कई बार तो ऐसा भी होता है कि ऑफिस का वर्कलोड ये अपने घर तक ले आते हैं। ये काम ऑफिस में तो इनके प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन दिला देता है, लेकिन अपने साथी से दूरियां बढ़ा देता है। ऐसी दशा में रिश्तों की शुरुआत में ही दूरियां आने लगती हैं और बहुत ही थोड़े समय में टेंशन उनके बीच आ जाती है। आजकल कपल्स मैरिड लाइफ को ज्यादा महत्व नहीं देते। ये अपने साथी को थोड़ा बहुत समय देते हैं, तो मात्र शारिरिक सुख के लिए, लेकिन ये उनका स्वार्थ होता है, प्यार नहीं।

आपका साथ है उसका विश्वास

आपका साथी हमेशा आपका साथ मांगता है, क्योंकि आपका साथ ही उसमें आत्म विश्वास भरता है, और ये आत्म विश्वास जहां रिश्तों में सम्मान लाता है, वहीं हर कदम पर आपके साथ भी रहता है। रिश्तों को जुड़े चाहे कितना भी समय हो चुका हो, उनमें रोमांस हमेशा बने रहना चाहिए। यदि आपको लग रहा कि कुछ बदलाव आ रहा है और स्थितियां पहले कि तरह नहीं है, तो आपको इस तुरंत सोचने की जरूरत है। रिश्तों को बनाने में सालों लगते है और टूटने में एक पल भी नहीं लगता। कई बार हम अपनी दिनचर्या में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि अपने आस-पास हो रहे परिवर्तनों पर भी ध्यान नहीं दे पाते। रिश्ते में कड़वाहट आ जाए या दूरियों के बाढ़ में ये तलाक या दो बेडरूम तक पहुंच जाए, इसके पहले ही हमें कुछ संकेत मिलने लगते हैं। यह अलग बात है कि हम लापरवाही के चलते इन पर ध्यान नहीं दे पाते। यदि आप अपने रिश्तों को टूटने से बचाना चाहते हैं तो उन संकेतों को समझने की कोशिश करें, जिनसे दूरियां बढ़ने का पता चलता है। ये संकेत आपके रिश्ते को बचाने का एक जरिया हो सकता है। इसमें कहीं हद तक आपकी समझदारी आपकी हेल्प करती है।

जब साथी कर रहा नजरअंदाज

आप ये जान लीजिए कि समाज हो या आपका घर, कहीं भी अचानक कुछ नहीं होता, चीजें धीरे-धीरे बदलती हैं। इसमें आपको थोड़ा समझदारी और संयम से काम लेना चाहिए। आपकी समझदारी ही आपके परिवार को इस आग की चपेट से निजात दिला सकती है। आपके व्यस्त जीवन के कारण ही आपका दांपत्य जीवन इस कंडीशन में आ गया है, ऐसे में आपकी सार्थक सोच ही आपके घर को फिर से हरा- भरा कर सकता है। सबसे पहले तो आपको अपने पिछले कार्यों को एक बार सोचना चाहिए। आखिर ऐसी दशा कहा से बन गयी और जल्दी अपने में सुधार ला दे, इसके साथ यदि आप अपने साथी को सॉरी बोल दे तो ज्यादा बेहतर है। इसके अलावा आप अपने साथी के शारिरिक संकेतों को समझने की कोशिश करिए। क्या आपका साथी पहले की तरह आप पर ध्यान नहीं दे रहा और आपकी बातों में रुचि नहीं ले रहे हैं?

आपके करीब आने पर आपका साथी असहज महसूस करता है। बेडरूम में आपको अनदेखा कर रहा है। बच्चों के मसले के अलावा और कोई विषय बातचीत का नहीं रह गया है। ये सब आप व्यक्त करना चाहें या नहीं लेकिन आपके शारीरिक संकेत बहुत कुछ कह देते हैं।

कोई और आ जाए जीवन में

ऐसे में आप दोनों पति-पत्नी के बीच प्रेम और लगाव की कमी भी रिश्तों में दूरियों के बढ़ने में अहम रोल निभाती है। अगर पहले जैसे प्यार की गरमाहट अब कहीं ढूंढने से भी नजर नहीं आ रही तो समझिए कि यह खतरे का संकेत है। यह ठीक है विवाह के शुरुआती दिनों के बाद रोमांस का खुमार धीरे-धीरे कम होता चला जाता है। लेकिन ऐसा भी नहीं होता कि प्रेम बिलकुल नजर ही न आए। लेकिन आप दोनों चाहे तो आपका वैवाहिक जीवन फिर से भर सकता है।

आपसी अंडर स्टैंडिंग को बढ़ाएं

व्यवहार में बदलाव आपके बीच दूरियां बढ़ने का तीसरा संकेत है। क्या आपके साथी का अब आपकी बातों पर ध्यान नहीं जाता। गंभीर बातों को सुनकर भी अनसुना कर देते हैं। आपकी बातों का जवाब झुंझलाकर देते हैं। बेवजह गुस्सा करना इत्यादि। यदि ये सारे लक्षण उनके व्यवहार में नजर आ रहे हैं तो आप समझ लें कि ये खतरे की घंटी है। ऐसे में आप अपने साथी से प्यार से बात करें, आखिर वो क्यों आपसे रूठा हुआ है। यदि आपको कोई जवाब नहीं मिले तो आप गुस्सा होने की बजाय सही समय का इंतजार करें और बात करने का कोई भी मौका न गंवाएं।

जब वो रहने लगे चुप-चुप

साथी का मौन सबसे खतरनाक व्यवहार होता है, इसका आपके व्यक्तित्व पर सबसे ज्यादा असर पड़ता है। यदि आपका साथी आपके साथ अंतरंग पल नहीं बिताना चाहता तो समझे कि दूरियां बढ़ रही हैं। बेहद कठिनाई से बाहर जाने के बने कार्यक्रम में देखते हैं कि वहां केवल आप दोनों ही नहीं, कुछ और भी परिचित हैं, जिनके बारे में आपको पता भी नहीं था।

जब रहे तनाव

जिंदगी एक खूबसूरत एहसास है। इसे संजीदगी से जीएं, तो इसका अपना ही मजा है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी और उसमें काम का प्रेशर, जिंदगी को जहन्नुम बनाते जा रहे हैं। मंहगाई की मार ने आज जहां दामपत्य जीवन को प्रभावित किया है वहीं महिलाओं को भी घर से बाहर निकलने को मजबूर कर दिया है। हर कंपनी आज अधिकाधिक मुनाफे के लिए अपने कर्मचारियों का भरपूर शोषण करती है। घर की जिम्मेदारी, बच्चों का ख्याल, परिवार का पोषण इनके साथ में आफिस की टेंशन, ये जहां आपकी निजी जिंदगी को प्रभावित कर रहे हैं, वहीं आपके शरीर को भी अस्वस्थ कर रहे हैं। एक सर्वे के अनुसार प्रेशर में काम करने से आपको हृदय रोग जैसी घातक बीमारी भी हो सकती है। क्या आपको पता है कि तनाव आपको जहां सही से काम करने से रोकता है वहीं इससे अवसाद होने की भी पूरी संभावना होती है। ऐसे में आपकी थोड़ी सी समझदारी ही आपको तनाव से मुक्ति दे सकती है। तनाव के हालात में काम करने से महिलाओं में हृदय रोग की आशंका पुरुषों की तुलना में दोगुनी होती है। यह बात एक नए अध्ययन में सामने आई है। अध्ययन में पाया गया है कि काम का तनाव पुरुषों के मुकाबले महिलाओं को अधिक नुकसान पहुंचाता है। ऐसे में आपको अपना काम करते समय धैर्य की आवश्यक्ता होती है। आपका धैर्य ही आपको कठिन से कठिन परिस्थिति में जीने की राह का निर्माण करती है।

एल्यूमीनियम को करें एवाइड

हाल ही में इस संदर्भ में हुए शोध कार्यों से जो तथ्य सामने आए हैं उनसे पता चलता है कि एल्यूमीनियम के बर्तनों को खाना बनाने के लिए प्रयुक्त करने से भोजन में भी एल्यूमीनियम के अंश शामिल हो जाते हैं। जो बाद में हमारे शरीर में जाकर हमें नुकसान पहुंचाते हैं।

इसे जानना जरूरी है

असल में एल्यूमीनियम एक क्रियाशील धातु होती है। यही वजह है कि वायु के सम्पर्क में आने से इसके ऊपर एल्यूमीनियम ऑक्साइड की पर्त जम जाती है। जब टमाटर, इमली, आम, नमक, मसाले, सिरका, दही या नींबू जैसी अम्लीय वस्तुएं इन बर्तनों में डाली जाती हैं, तो ये एल्यूमीनियम ऑक्साइड भोजन में मिल जाते हैं। इनसे मस्तिष्क के अलावा हृदय तथा पाचन तंत्र पर भारी असर पड़ता है। अत : एल्यूमीनियम के बर्तन इस प्रकार के अम्ल युक्त खाद्य पदार्थ बनाने या रखने के लिए बहुत खतरनाक हो जाते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि एल्यूमीनियम की अधिकता मस्तिष्क की विचार क्षमता एवं स्मरण शक्ति को क्षीण कर देती है। यदि शरीर में एल्यूमीनियम अधिक मात्रा में पहुंच जाए, तो इससे मस्तिष्क की कोशिकाओं के नष्ट होने या क्षतिग्रस्त होने का भय रहता है। इनसे अल्जाइमर्स या डिमेंशा जैसे भयानक स्नायु रोग, गुर्दो व अस्थि रोगों का खतरा सबसे ज्यादा होता है।

ये हो सकता है सुरक्षित

इतना ही नहीं, बल्कि एल्यूमीनियम के बर्तनों में बनाई जाने वाली चाय भी मस्तिष्क के लिए हानिकारक हो सकती है। एक शोध में पाया गया है कि यदि एल्यूमीनियम के बर्तनों में फलोराइड युक्त पानी उबाला जाता है, तो पानी में एल्यूमीनियम की और अधिक मात्रा घुल जाती है। बताया जाता है कि यदि एल्यूमीनियम के बर्तनों को विद्युतलेपन करके प्रयोग में लाया जाए, तब ये बर्तन अपेक्षाकृत ज्यादा सुरक्षित हो जाते हैं। इसी तरह अगर इन बर्तनों का प्रयोग अम्लीय पदार्थों के लिए नहीं किया जाता, तो भी इनसे उतना खतरा नहीं रहता।

आया ई-बाइक्स का जमाना

इन दिनों बाइक के प्रति युवाओं का रूझान देखते ही बनता है। जहां कंपनियां एक से बढ़कर एक मॉडल लांच कर रहीं हैं, वही मॉडीफाइड बाइकों का भी चलन तेज हुआ है। लेकिन अगर आप कुछ ऐसा लेना चाहते हैं, जो आपकी जेब के साथ ही पर्यावरण को रास आए। तो बेशक तैयार हो जाइए, कुछ ऐसे ही अनुभव के लिए ई-बाइक्स के साथ। जिसको बच्चे भी काफी पसंद कर रहे हैं। आइए जानते हैं, ई-बाइक्स की खासियतों के बारे में इन दिनों युवाओं के साथ बच्चों में ई-बाइक्स को लेकर भी काफी क्रेज देखा जा सकता है। जिसमें कई ऐसी विशेषताएं हैं, जिनसे आप बाइक का बिल्कुल एक नया अनुभव पा सकते हैं। वैसे इस बाइक का चलन कॉलेज के लड़कों में ज्यादा देखने को मिलात है। जिसे दिलाने में पैरेंट्स को भी कोई परेशानी नहीं होती है।

लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन से फुर्सत

इस वक्त बाजार में दो तरह की ई-बाइक्स हैं- लो स्पीड और हाई स्पीड की बाइक। हाई स्पीड बाइक चलाने के लिए ड्राइविंग लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन की जरूरत होती है, लेकिन लो स्पीड बाइक्स में इसकी कोई जरूरत नहीं है। इनकी यही खूबी इन्हें 14-18 साल तक के बच्चों के लिए बेस्ट गिफ्ट बनाती है। तो फिर देरी किस बात की, इस बर्थ-डे पर अपने बच्चे को दीजिए, ऐसा ही कुछ प्यारा सा तोहफा।

फ्यूल नो प्राब्लम

आजकल हर कोई पेट्रोल के बढ़ते दामों से परेशान है, लेकिन ई-बाइक खरीदकर आप पेट्रोल के खर्चे से आसानी से बच सकते हैं, क्योंकि इन बाइक्स को चार्ज करके आसानी सफर किया जा सकता है। जिसको चार्ज करने में भी बिजली की खपत काफी कम होती है। यानि की इस बाइक को जरूरत पड़ने पर बड़ों के साथ बच्चे भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

हर कदम पर साथ

आज के आधुनिकता के समय में बैंकों कि भूमिका दिनोदिन बढ़ती जा रही है। ऐसे में महिलाएं इससे कहां तक अछूती रह सकती हैं। पिछले कुछ वर्षों में भी फाइनेंस मैटर्स में रुचि लेना शुरू कर दिया है और वे इन्वेस्टमेंट्स, टैक्स प्लानिंग आदि पर ध्यान देने लगी हैं। महिलाओं में बैक और पैसे के मैनेजमेंट को लेकर बढ़ रही रुचि को देखते हुए आजकल बैंक वगैरह भी कई लेडीज स्पेशल योजनाओं को बाजार में ला रहे हैं।

आपकी अपनी योजनाएं

- कई बैंक्स न्यूनतम बैलेंस से लेकर फ्री क्रेडिट या डेबिट कार्ड का ऑफर देते हैं।
- कुछ में ज्वेलरी इंश्योरेंस की स्कीम्स हैं, तो कुछ में एक्सीडेंट इंश्योरेंस की।
- चडीएफसी बैंक का ईजी शॉप वूमेंस एडवांटेज कार्ड एक वर्ष तक लॉकर फीस पर 50 प्रतिशत छूट देता है और साथ ही फ्री बिल पेमेंट सर्विस भी देता है।
- महिलाओं को दिए जाने वाले ज्यादातर कार्डस पर सोने की खरीदारी पर विशेष छूट से कुछ खास खरीदारी पर कैश बैंक स्कीम तक शामिल हैं।
- सिटी बैंक के वूमेंस वीजा सिल्वर कार्ड फ्री कार्ड के साथ एक अतिरिक्त फ्री कार्ड देता है, साथ ही हर 200 रुपए पर एक रिवॉर्ड पॉइंट के अलावा कुछ खास खरीदारी पर भी छूट देता है।
- एबीएन एम्रो की शक्ति सेव्रिंग एकाउंट योजना में 5000 रुपए के न्यूनतम बैलेंस के साथ एक क्रेडिट कार्ड फ्री की सुविधा भी है।
- एक्सिस बैंक की स्मार्ट प्रीविलेज में न्यूनतम बैलेंस 10,000 रुपए हैं और जीरों बैलेंस माइनर एकाउंट के साथ-साथ डेबिट कार्ड पर ज्वेलरी इंश्योरेंस की सुविधा है।
- इनके अलावा बैंकों द्वारा महिलाओं को विशेष तौर पर लोन में भी कई सुविधाएं दी जाती हैं।
- ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स महिलाओं के लिए लोन पर 0.5 प्रतिशत का छूट देता है।
- कुछ बैंक्स जैसे कॉर्पोरेशन बैंक आदि सोना या गहने खरीदने के लिए कम ब्याज दर पर कामकाजी और गृहणियों को लोन मुहैया करवाते हैं।
- लड़कियों की शिक्षा के लिए भी एजुकेशन लोन कम ब्याज दर पर मुहैया करवाते हैं।
- प्रधानमंत्री रोजगार योजना के तहत भी कई बैंक्स खास स्कीम्स व ऑफर्स देते हैं। जिनमें लोन क्रेडिट कार्ड, एकाउंट्स पर लोन उपलब्ध कराते हैं।
- कन्या विवाह सुविधा स्कीम के तहत स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद धन उपलब्ध कराता है। सोने के गहनों की खरीदारी पर भी विशेष छूट मिलती है।
- कामकाजी व घरेलू महिलाओं को भी आंध्रा बैंक स्वर्णभरण स्कीम के तहत सोने की खरीदारी पर विशेष छूट व लोन उपलब्ध कराता है।
- स्त्री शक्ति पैकेज के तहत भी कुछ बैंक महिला रोजगार या व्यापार को बढ़ावा देने के लिए खास छूट देते हैं।
- कॉर्पोरेशन बैंक की वनिता उद्योग स्कीम और केनरा बैंक की महिला निधि स्कीम छोटे व्यापार के लिए महिलाओं को सॉफ्ट लोन उपलब्ध कराते हैं।

- एसएमई यानी स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइज के लिए इलाहाबाद बैंक और आंध्रा बैंक कम ब्याज दरों पर लोन उपलब्ध कराता है।
- स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक ' स्व रोजगार में शामिल महिलाओं व कामकाजी महिलाओं को प्राइमरी दिवा कार्ड भी कामकाजी या घरेलू महिला को उपलब्ध कराता है।
- इसी तरह से सिटी बैंक का वुमन वीजा मनी कार्ड, एचडीएफसी का वुमेंस गोल्ड कार्ड, आईसीआईसीआई का बिग बाजार शक्ति क्रेडिट कार्ड, महिलाओं को विशेष छूट देता है।
- आपको बता दें कि कुछ कार्ड्स कैश बैंक की सुविधा देते हैं तो कुछ गिफ्ट्स ऑफर करते हैं। खास खरीदारी पर जैसे एचडीएफसी का ईजी शॉप वुमेंस एडवांटेज डेबिट कार्ड, सिटी बैंक का ग्रॉसरी डेबिट कार्ड और यूटीआई का स्मार्ट प्रीविलेज एकाउंट वुमेंस स्पेशल कार्ड उपलब्ध कराता है।

पाकिस्तान में 500 रुपये किलो बिक रहा है टमाटर, भारत से मांगेगा मदद

इस्लामाबाद। पड़ोसी मुल्का पाकिस्तान में बाढ़ से हाहाकार मचा है। जिसकी वजह से कई जरूरी चीजों के दाम आसमान पर पहुंच गए हैं। पाकिस्तान में टमाटर 500 रुपये किलो और प्याज की कीमतों ने भी रूला दिया है। पड़ोसी देश पाकिस्तान में विनाशकारी बाढ़ ने तबाही मचाई हुई है। आधे से ज्यादा पाकिस्तान बाढ़ में डूब चुका है। सैकड़ों बच्चों समेत एक हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। कई हजार लोग जख्मी हैं। भारी बारिश के बाद आई बाढ़ ने 3 करोड़ से ज्यादा लोगों को प्रभावित किया है। भीषण संकट के बीच ऐसी सूचनाएं मिल रही हैं कि पाकिस्तान की सरकार वाघा बॉर्डर के जरिए भारत से टमाटर और प्याज मंगाने पर विचार कर रही है।

भारत से कर सकता है टमाटर, प्याज का आयात

पाक बाजार डीलरों के अनुसार विनाशकारी बाढ़ के कारण लाहौर और पंजाब प्रांत के अन्य हिस्सों में विभिन्न सब्जियों और फलों की कीमतों में भारी उछाल के बीच, पाकिस्तान सरकार भारत से टमाटर प्याज और प्याज का आयात कर सकती है। बाजार के थोक व्यापारियों ने यह जानकारी दी। लाहौर बाजार के एक थोक व्यापारी जवाद रिजवी के अनुसार लाहौर के बाजारों में टमाटर और प्याज की कीमत क्रमश- 500 रुपये और 400 रुपये किलो रहा। हालांकि, रविवार के बाजारों में टमाटर और प्याज समेत अन्य सब्जियां नियमित बाजारों की तुलना में 100 रुपये प्रति किलोग्राम कम कीमत पर उपलब्ध थीं।'' बता दें कि पाकिस्तान के चारों सूबे भयानक बाढ़ से जूझ रहे हैं। सिंध, पंजाब, खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान के 135 जिलों में से 110 जिले इस आपदा की मार झेल रहे हैं। वारिश और बाद में 1000 से ज्यादा जाने जा चुकी हैं और 1,500 घायल हैं। सड़कों, पुलों और घरों को बड़ा नुकसान हुआ है। प्रधानमंत्री शाहवाज शरीफ ने वलुचिस्तान में प्रभावित इलाकों का दौरा किया।

पाकिस्तान पत्रकार ने इमरान खान के खिलाफ ट्वीट कर किया इस्लाम का ''अपमान', मामला दर्ज

इस्लामाबाद। पाकिस्तान पुलिस ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के हवाले से इस्लाम के बारे में ''बिना तथ्यों पर आधारित अपमानजनक'' बयान देने के आरोपों पर एक पत्रकार के खिलाफ मामला दर्ज किया है। 'डॉन' अखबार की खबर के मुताबिक, चौधरी निसार कय्यूम नामक एक केबल ऑपरेटर की शिकायत पर वकार सत्ती के खिलाफ शनिवार को रावलपिंडी के आरए बाजार पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया। प्राथमिकी के अनुसार, शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि सत्ती ने पूर्व प्रधानमंत्री के खिलाफ ट्वीट कर इस्लाम का ''अपमान'' किया है। कय्यूम ने कहा कि सत्ती ने इमरान के हवाले से कुछ बयान दिए जो ''तथ्यों पर आधारित नहीं हैं।'' सत्ती जियो न्यूज टीवी के लिए काम करता है।

पाकिस्तान में विनाशकारी बाढ़ के कारण एक हजार से ज्यादा लोगों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में विनाशकारी बाढ़ के कारण मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर एक हजार से ज्यादा हो गई है। रविवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटे में देशभर में बाढ़ से संबंधित घटनाओं में 119 लोगों की मौत हो गई। पाकिस्तान में 14 जून से जारी भारी बारिश के कारण आई बाढ़ से स्थिति भयावह हो गई है और देश के दक्षिण तथा दक्षिण पश्चिम क्षेत्र के मैदानी इलाके जलमग्न हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने रविवार को कहा कि पिछले 24 घंटों में 119 लोगों की मौत हुई है। एनडीएमए ने कहा, 'पाकिस्तान में अब तक 1,033 लोगों की मौत हो चुकी है और 1,527 लोग घायल हुए हैं।' प्राधिकरण ने कहा कि गत एक दिन में सर्वाधिक संख्या में लोगों की मौत सिंध प्रांत में हुई, जहां 76 लोगों ने जान गंवाई। देशभर में पिछले 24 घंटों में बाढ़ जनित घटनाओं के कारण 71 लोग घायल हो गए। सिंध में अब तक 347, बलूचिस्तान में 238, खैबर पख्तूनख्वा में 226, पंजाब में 168, पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में 38, गिलगित बल्टिस्तान में 15 और इस्लामाबाद में एक व्यक्ति की मौत हो चुकी है। बाढ़ से 3451.5 किलोमीटर सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं। इसके अलावा 147 पुल बह गए, 170 दुकानें नष्ट हो गई और 9,49,858 मकान आंशिक रूप से या पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। बाढ़ की विभीषिका से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र 30 अगस्त को पाकिस्तान को 16 करोड़डॉलर की सहायता जारी कर सकता है। ब्रिटेन ने भी सहायता के लिए 15 लाख पौंड देने की घोषणा की है। मुस्लिम देशों में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), तुर्की और ईरान ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से टेलीफोन पर बात कर सहायता देने की पेशकश की है। संयुक्त अरब अमीरात की डब्ल्यूएएम समाचार एजेंसी के अनुसार, राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाह्यान ने पाकिस्तान को तत्काल सहायता जारी करने का आदेश दिया है। यूएई ने तीन हजार टन खाद्य सामग्री, चिकित्सा आपूर्ति और तंबू आदि भेजे हैं।

दक्षिण कोरिया में तेजतर्रार सांसद ली जे-म्युंग विपक्षी दल के अध्यक्ष चुने गए

सियोल। तेजतर्रार सांसद ली जे-म्युंग को रविवार को दक्षिण कोरिया के मुख्य विपक्षी दल डेमोक्रेटिक पार्टी का अध्यक्ष चुना गया। कुछ महीने पहले वह कंजरवेटिव पार्टी के अपने प्रतिद्वंद्वी यून सुक येओल से राष्ट्रपति चुनाव में बहुत कम अंतर से हार गए थे। डेमोक्रेटिक पार्टी के अध्यक्ष पद की दौड़ में ली (57) की जीत के साथ ही नेतृत्व पद के लिए कुछ महीने से जारी तलाश खत्म हो गई है। संसद में अब भी 'उदारवादी' डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों का बहुमत है। इसके साथ यून के साथ ली की प्रतिद्वंद्विता भी फिर से शुरू हो गई है। सर्वेक्षणों के मुताबिक अर्थव्यवस्था, शिक्षा और अन्य घरेलू मुद्दों पर नीतिगत फैसलों और गलत तरीके से कैबिनेट नियुक्तियों को लेकर मई में पदभार ग्रहण करने के बाद से यून की लोकप्रियता में कमी आई है। राजधानी सियोल के एक स्टेडियम में आयोजित सम्मेलन में ली को पार्टी सदस्यों के करीब 78 प्रतिशत मत मिलने के साथ डेमोक्रेटिक पार्टी का नया अध्यक्ष घोषित किया गया। अपने संबोधन में ली ने अर्थव्यवस्था के मुद्दे पर यून प्रशासन की आलोचना की, लेकिन यह भी कहा कि वह यून और सत्तारूढ़ कंजरवेटिव पार्टी के साथ सहयोग करना चाहते हैं ''अगर वे देश और लोगों के लिए सही रास्ता चुनते हैं।'' उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी को फिर से सत्ता में लाने को अपना मुख्य मिशन बताया। ली ने कहा, ''आज का सम्मेलन हमारे विजयी मार्च की शुरुआत है, जिसमें दो साल बाद संसदीय चुनाव, चार साल बाद मेयर और गवर्नर चुनाव और पांच साल बाद राष्ट्रपति चुनाव शामिल हैं।'' मार्च के चुनाव में यून ने ली को 0.7 प्रतिशत अंकों के मामूली अंतर से हराया था। यून के प्रवक्ता किम यून-हे ने रविवार को एक बयान जारी कर ली को सम्मेलन में उनकी जीत पर बधाई दी और देश की समस्याओं के समाधान के लिए दोनों दलों के बीच सहयोग का आह्वान किया।

यूक्रेन में परमाणु संयंत्र के आसपास के शहरों पर गोलाबारी

स्लोवियांस्क (यूक्रेन)। यूक्रेन में यूरोप के सबसे बड़े परमाणु संयंत्र से रूसी रॉकेट और तोपों ने नीपर नदी के पार के इलाकों को निशाना बनाया। यूक्रेन के अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी और आशंका प्रकट की कि आसपास लगातार लड़ाई जारी रहने से इस संयंत्र को नुकसान पहुंच सकता है और विकिरण का रिसाव हो सकता है। यूक्रेन के साथ युद्ध शुरू होने के शीघ्र बाद रूसी सैन्यबलों ने जपोरिजिया परमाणु संयंत्र और नीपर नदी के एक हिस्से के आसपास के क्षेत्र पर कब्जा कर लिया था। निकोपोल और मारहनेट शहरों समेत नदी के दूसरे क्षेत्र पर यूक्रेन का नियंत्रण है। ये दोनों शहर संयंत्र से करीब 10 किलोमीटर (छह मील) की दूरी पर हैं। रूसी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता इगोर कोनाशेनकोव ने रविवार को कहा कि यूक्रेन की सेना ने पिछले दिन दो बार संयंत्र पर गोलाबारी की थी और कुछ गोले रिएक्टर ईंधन और रेडियोधर्मी कचरे को जमा करने वाली इमारतों के पास गिरे थे। दनीप्रोपेत्रोवस्क क्षेत्र के गवर्नर वलांतीन रेजनिचेंको ने कहा कि रात में भारी गोलाबारी के बाद निकोपोल के कई हिस्सों में विद्युत आपूर्ति रूक गयी। रॉकेट हमलों से मारहनेट में करीब एक दर्जन मकान क्षतिग्रस्त हो गये। जिले के प्रशासनिक प्रमुख वेवहेन येवतुशेंको ने यह जानकारी दी। इस शहर में करीब 45,000 लोग रहते हैं।

जपोरिजिया शहर में भी रात में हमला हुआ और दो लोग घायल हो गये। सिटी काउंसिल के सदस्य एनोतोलिये कुरतेव ने यह जानकारी दी। यह शहर परमाणु संयंत्र से करीब 40 किलोमीटर दूर है। रूस द्वारा स्थापित स्थानीय प्रशासन के प्रमुख ब्लादिमीर लियोन्तीव ने कहा कि परमाणु संयंत्र से डाउनरिवर, काखोवका जलविद्युत संयंत्र और उससे सटे शहर में रविवार को यूक्रेन ने तीन बार रॉकेट से हमला किया। डोनेट्स्क क्षेत्र के गवर्नर पावलो किरिलेंको के अनुसार, रूस और अलगाववादी ताकतों के पूर्वी-यूक्रेन पर नियंत्रण की कोशिश में क्रामेटोर्स्क और स्लोवियांस्क शहर में हमलों में कोई हताहत नहीं हुआ।

लंदन में अगस्त बैंक हॉलीडे पर यूरोप का सबसे बड़ा उत्सव शुरु हुआ।

जय शाह ने तिरंगा हाथ में लेने से इनकार किया तो अभिषेक बनर्जी ने उठाए सवाल

दुबई । दुबई में एशिया कप 2022 का रोमांचक मुकाबला चल रहा था और आमने-सामने थे भारत-पाकिस्तान। धड़कनों का था इम्तिहान। तीन गेंदों में छह रन चाहिए। हार्दिक पांड्या ने पाकिस्तान के बाएं हाथ के स्पिनर मोहम्मद नवाज की चौथी गेंद पर चौका लगाया और देखते ही देखते गैलरी उत्साह से भर उठी। तिरंगा सभी दिशाओं में लहरा उठा। कैमरा पल भर में पांड्या और दिनेश कार्तिक से हटकर बीसीसीआई बोर्ड सचिव जय शाह की ओर मुड़ा। वहां कैप्चर किए गए कुछ सेकंड के फुटेज ने एक नए बहस पैदा कर दी। तृणमूल कांग्रेस के अखिल भारतीय महासचिव अभिषेक बनर्जी भी इसमें शामिल हो गए। सोशल मीडिया पर वायरल इस वीडियो में यह देखा गया है कि एशिया कप के मैच के दौरान पाकिस्तान पर भारत की जीत के बाद जय शाह कथित तौर पर भारतीय तिरंगा लेने से इनकार कर रहे हैं। वीडियो में देखा गया है कि भारत की जीत के तुरन्त बाद एक शख्स तिरंगा लेकर आता है और जय शाह को देने की कोशिश करता है। अभिषेक बनर्जी ने ट्विटर पर लिखा जय शाह की इस तरह का राष्ट्रीय ध्वज धारण करने की अनिच्छा शासक वर्ग (भाजपा) की ओर से दिखाए जा रहे पाखंड का संकेत है। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को भी निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि भाजपा हर घर तिरंगा की बात करती है। लेकिन केंद्रीय गृह मंत्री के बेटे ने दुबई में भारत पाकिस्तान के क्रिकेट मैच के दौरान तिरंगा लेने से इनकार कर दिया।

जलवायु परिवर्तन से जमीन पर चलने को मजबूर शार्क

-अध्ययन के बाद वैज्ञानिकों ने किया ये खुलासा

मेलबर्न (एजेंसी)।

समुद्र में पाए जाने वाली खतरनाक शार्क मछली जलवायु परिवर्तन की वजह से मजबूर होकर जमीन पर चलने लगी है। आइए जानते हैं कि आखिर ये हैरान करने वाली घटना क्या है? शार्क मछलियां क्यों जमीन पर चलने लगी हैं। फ्लोरिडा अटलांटिक यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिक आम दिनों की तरह 3 मई 2022 को शार्क मछलियों की रिकॉर्डिंग कर रहे थे अपने किसी स्टडी के लिए।लेकिन इस दौरान उन्होंने कुछ ऐसा देखा जो भरोसा करने लायक नहीं था।

उन्होंने एक शार्क को चलते हुए देखा, वो भी अपने पीछे के फिन्स के सहारे।ये नजारा डराने वाला भी है, क्योंकि शार्क मछलियों ने अगर चलना सीख लिया तो भविष्य में ये पानी से निकल कर जमीन पर इंसानों पर हमला भी कर सकती हैं.किस्मत अच्छी ये थी कि जमीन पर चलने वाली ये शार्क कोई ग्रेट व्हाइट शार्क नहीं थी।यह एक छोटी इपालेट शार्क थी।इपालेट शार्क करीब 3 फीट लंबी थी। ये आमतौर पर कोरल रीफ्स यानी मूंगा पत्थरों के आसापास

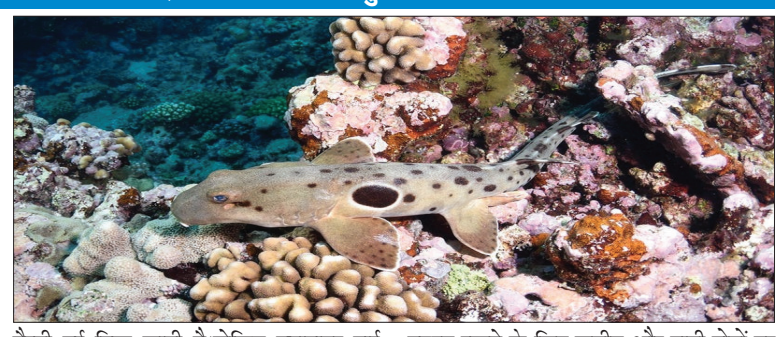

तैरती हुई दिख जाती है।लेकिन ज्यादातर पाई जाती हैं ऑस्ट्रेलिया के दक्षिण में स्थित ग्रेट बैरियर रीफ में।इन शार्क मछलियों को कई बार थोड़े समय के लिए ज्यादा मात्रा में कार्बन डाईऑक्साइड मिलने लगती है।यानी ऑक्सीजन का स्तर कम होता है और तापमान लगातार कम-ज्यादा होता है।तब ये बाहर की ओर जाती लहरों के साथ किनारों की तरफ आ जाती हैं।ये खुद को आइसोलेट कर लेती हैं।अगर ऑक्सीजन की मात्रा पूरी तरह खत्म हो जाए तब भी ये इपालेट शार्क खुद को दो घंटे तक जीवित रख सकती हैं.इपालेट शार्क ऑक्सीजन की कमी महसूस होने पर खुद को दुरुस्त रखने के लिए जमीन और पानी दोनों पर ऑक्सीजन की खोज में चलने लगती हैं।अपने पीछे के फिन्स की मदद से।जैसे ही ऑक्सीजन की कमी पूरी होती ये फिर तैरना शुरू कर देती हैं। वैज्ञानिकों ने शार्क के चलने के पैटर्न की स्टडी की।पता चला कि ये पैदा होने वाली नई शार्क मछलियों की चलती हैं।चलने के लिए शार्क के शरीर की मोटाई, लंबाई, वजन आदि से फर्क नहीं पड़ता.चलते समय ये अपनी गति, फिन का घुमाव, शरीर को मोड़ना, पूंछ की बीट फ्रिक्वेंसी ठीक वैसी ही हो जाती है, जैसे कि कोई शावक शार्क की तैरना सीखते समय होती है।

इस्लामाबाद उच्च न्यायालय की पांच सदस्यीय पीठ इमरान के खिलाफ अवमानना मामले की सुनवाई करेगी

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

इस्लामाबाद उच्च न्यायालय की पांच सदस्यीय पीठ पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ अदालत की अवमानना मामले की सुनवाई करेगी। मीडिया में रविवार को प्रकाशित खबरों के मुताबिक, यहां एक रैली में एक महिला न्यायाधीश के खिलाफ कथित विवादास्पद टिप्पणी करने को लेकर उनके खिलाफ यह अदालती कार्यवाही की जा रही है। डॉन अखबार के मुताबिक, इमरान खान के खिलाफ अवमानना मामले की सुनवाई इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अतहर मिनाल्ला की पीठ करेगी।

पीठ में न्यायमूर्ति मोहसिन अख्तर कयानी, न्यायमूर्ति मियांगुल हसन औरंगजेब, न्यायमूर्ति तारिक महमूद जहांगीरी और न्यायमूर्ति बाबर सत्तार भी शामिल हैं। शुरुआत में, इस मामले की सुनवाई तीन सदस्यीय पीठ कर रही थी। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने मंगलवार को पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के अध्यक्ष इमरान खान को कारण बताओ नोटिस जारी किया था और अतिरिक्त जिला व सत्र न्यायाधीश जेबा चौधरी को कथित तौर पर धमकी देने को लेकर अवमानना कार्यवाही के तहत 31 अगस्त को व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित होने का निर्देश दिया था।

उल्लेखनीय है कि 20 अगस्त को इस्लामाबाद के एफ-9 पार्क में आयोजित रैली में इमरान खान ने इस्लामाबाद के पुलिस महानिरीक्षक और उप महानिरीक्षक को धमकी दी थी और कहा था ''हम आपको नहीं बख्शेंगे।'' उन्होंने न्यायपालिका को भी उनकी पार्टी के खिलाफ कथित 'पक्षपातपूर्ण' बर्ताव के लिए चेतावनी दी थी और कहा था कि उसे इसके नतीजे भुगतने पड़ेंगे। खान ने अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश जेबा चौधरी को भी धमकी दी थी, जिन्होंने खान के करीबी शहबाज गिल को इस्लामाबाद पुलिस के अनुरोध पर दो दिनों के लिए हिरासत में भेज दिया था।

यूनान ने भूमध्य सागर में हमारे लड़ाकू विमान पर मिसाइल तानी : तुर्की

इस्तांबुल (एजेंसी)।

यूनान ने भूमध्य सागर के ऊपर तुर्की के एफ-16 लड़ाकू विमानों पर तब जमीन से हवा में मार करने वाली मिसाइल तानी जब वे अंतरराष्ट्रीय वायुक्षेत्र में टोही अभियान पर थे। यह दावा तुर्की की सरकारी समाचार एजेंसी अनाडोलु ने रविवार को किया। समाचार एजेंसी ने रक्षा मंत्रालय के सूत्रों के हवाले से बताया कि क्रेटे द्वीप पर स्थापित यूनान की एस-300 मिसाइल प्रणाली ने 23 अगस्त को तुर्की के लड़ाकू विमानों पर हमले के लिए सारी गणनात्मक तैयारी कर ली थी। एजेंसी के मुताबिक, तुर्की के एफ-16 लड़ाकू विमान यूनान के पश्चिमी रोड्स द्वीप के पास 10 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ रहे थे, तभी रूस निर्मित एस-300 मिसाइल प्रणाली ने उन्हें निशाना बनाने के लिए अपने रडार पर ले लिया। अनाडोलु ने रक्षा सूत्रों के

हवाले से दावा किया कि ''शत्रुतापूर्ण माहौल होने के बावजूद'' तुर्की के विमान अपना मिशन पूरा कर अपने ठिकानों पर लौट गये। खबर के मुताबिक, विमानों को रडार पर लेने को नाटो की नियमावली के तहत शत्रु कार्रवाई माना जाता है। इस बारे में जब अंकारा स्थित यूनानी दूतावास से रविवार को संपर्क किया गया तो वहां से कोई जवाब नहीं आया। गौरतलब है कि पिछले सप्ताह तुर्की ने यूनान के सैन्य अताशे को समन किया था और नाटो से शिकायत की थी कि यूनान के एफ-16 विमानों ने कथित तौर पर तुर्की के एफ-16 विमानों को गठबंधन के मिशन के दौरान परेशान किया था।

पेलोसी की ताइपे यात्रा के बाद पहली बार अमेरिकी युद्धपोत ताइवान जलडमरूमध्य से गुजरे

ताइपे (ताइवान)(एजेंसी)।

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी के अगस्त के मध्य में ताइवान की यात्रा करने के बाद पहली बार अमेरिकी नौसना के दो युद्धपोत रविवार को ताइवान जलडमरूमध्य से गुजरे। अमेरिकी नौसेना के युद्धपोतों के ताइवान जलडमरूमध्य से होकर गुजरने की यह घटना ऐसे समय में हुई है, जब ताइवान को लेकर चीन और अमेरिका के बीच तनाव चरम पर है। इस जलडमरूमध्य को लेकर पहले से व्याप्त तनाव के बीच अमेरिकी नौसेना के सातवें बेड़े 'यूएस सेवंथ फ्लीट' ने बताया कि 'यूएसएस एंटीटम' और 'यूएसएस चांसलर्सविले' अपनी नियमित यात्रा के दौरान ताइवान जलडमरूमध्य से होकर गुजरे।

'यूएस सेवंथ फ्लीट' ने कहा कि पोत ''किसी भी तटीय देश के समुद्री जल क्षेत्र से परे जलडमरूमध्य में एक गलियारे से गुजरे।'' गौरतलब है कि पेलोसी की हाल की ताइवान यात्रा से खफा चीन ने ताइवान जलडमरूमध्य एवं ताइवान के जलक्षेत्र में कई युद्धपोत और

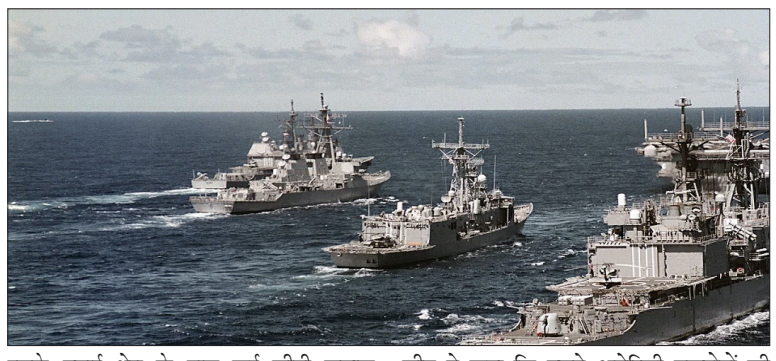

इसके हवाई क्षेत्र के पास कई चीनी लड़ाकू विमान भेजे हैं। चीन ने लंबी दूरी की मिसाइल भी दागी हैं। चीन ने ताइवान को दंडित करने की मांग करते हुए जलडमरूमध्य में कई सैन्य अभ्यास भी किए हैं। दरअसल, चीन ताइवान पर अपना दावा जताता है और यहां किसी भी अन्य देश की सरकार से जुड़े लोगों की यात्रा का विरोध करता है।

वहीं, अमेरिका नौवहन की स्वतंत्रता के अपने अधिकार को दिखाने के लिए ताइवान जलडमरूमध्य में नियमित रूप से पोत भेजता है। चीन ने कहा कि उसने अमेरिकी युद्धपोतों की आवाजाही पर नज़र रखी हुई है। चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की पूर्वी थिएटर कमान के प्रवक्ता वरिष्ठ कर्नल शी यी ने कहा, ''सेना की (पूर्वी) थिएटर कमान के सैनिक सतर्क हैं और किसी भी समय किसी भी प्रकार के उकसावे को नाकाम करने के लिए तैयार हैं।'' उल्लेखनीय है कि 100 मील चौड़ा यह जलडमरूमध्य ताइवान को चीन से अलग करता है।

चांद पर 50 साल बाद फिर इंसान, नासा का सबसे शक्तिशाली रॉकेट आज अंतरिक्ष के लिए भरेगा उड़ान

केप कैनेवरल (एजेंसी)।

तैयारी चांद को छूने की, नया मुकाम हासिल करने की और नया इतिहास लिखने की भी। चांद के पार चलो कि मुहिम के लिए कुछ इसी अंदाज में एस्ट्रोनॉट्स तैयारी भी करते दिखे। दरअसल, अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के आर्टेमिस वन की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। वन मिशन को नासा अंजाम देने जा रहा है। भारतीय समय के मुताबिक शाम 6:30 मिनट पर ओरियोन स्पेस क्राफ्ट को छोड़ा जाएगा। इस मिशन की सारी तैयारियां पूरी हो चुकी है। इंसानों को भेजने से पहले ये नासा की पहली फ्लाइट टेस्ट होगी। इसे फ्लोरिडा के केनेडी स्पेस सेंटर से रवाना किया जाएगा। आज शाम साढ़े छह बजे आर्टेमिस वन के तहत नए स्पेस लॉन्च सिस्टम रॉकेट और ओरियन क्रू कैप्सूल की पहली टेस्ट फ्लाइट होगी। 322 फुट या कहें कि 98 मीटर लंबा रॉकेट नासा द्वारा बनाया गया अब तक का सबसे शक्तिशाली रॉकेट है। ये रॉकेट करीब 42 दिनों तक बिना चालक दल वाले ओरियन स्पेस क्राफ्ट को लॉन्च करेगा। स्पेस क्राफ्ट चंद्रमा तक जाएगा और कुछ छोटे उपग्रहों को कक्षा में छोड़कर खुद कक्षा में स्थापित हो जाएगा। इस मिशन के तहत नासा स्पेस क्राफ्ट को ऑपरेट करने की ट्रेनिंग हासिल करेगा। साथ ही चंद्रमा के आसपास के हालात की जांच करेगा। जिसका अनुभव अंतरिक्ष यात्रियों को मिलेगा। ये यात्रियों की पृथ्वी पर सुरक्षित वापसी को सुनिश्चित भी करेगा। ये इस रॉकेट का पहला मिशन है जिसमें कोई अंतरिक्ष यात्री सवार नहीं होगा। लेकिन यदि ये मिशन कामयाब रहता है तो, भविष्य में इस रॉकेट से अंतरिक्ष यात्री भी मिशन पर जा सकेंगे। यदि सबकुछ ठीक रहा तो इंसान 2024 से एक बार फिर चांद पर क़दम डाल सकेगा। आर्टेमिस नासा के लिए एक अहम मिशन है। इस साल दिसंबर में नासा अपोलो 17 के चांद पर पहुंचने के 50

साल पूरे करेगा। ये आख़िरी बार था जब मनुष्य चांद पर गया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

हिजाब मामले की अगली सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में 5 सितंबर को होगी

नई दिल्ली । देश की सर्वोच्च अदालत ने हिजाब मामले में कर्नाटक उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर नोटिस जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट में मामले की अगली सुनवाई सोमवार को होगी। इस दौरान मामले को टालने के लिए शीर्ष अदालत ने नाराजगी जताई है। उसने फटकार लगाते हुए कहा कि जब मामला सुनवाई के लिए लगता है तो आप सुनवाई टालने की मांग कर देते हैं। यह सही तरीका नहीं है। मुख्य न्यायाधीश रितु राज अवस्थी की अध्यक्षता वाली कर्नाटक उच्च न्यायालय की 3 न्यायाधीशों की पीठ ने माना था कि कुरान मुस्लिम महिलाओं के लिए हिजाब पहनना अनिवार्य नहीं करता है। पीठ ने कहा था कि यह पोशाक मुस्लिम महिलाओं के लिए 'सार्वजनिक स्थानों तक पहुंच' प्राप्त करने का एक साधन है, 'सामाजिक सुरक्षा' का एक उपाय है। लेकिन हिजाब पहनना इस्लाम में एक धार्मिक अनिवार्यता नहीं है। उच्च न्यायालय ने कर्नाटक में हिजाब विवाद को भड़काने की त्वरित और प्रभावी जांच का भी समर्थन किया था, जिसमें संदेह था कि कुछ संगठन राज्य में सामाजिक अशांति और असामंजस्य फैलाने के लिए इस मुद्दे को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं।

पारिवारिक संबंधों में अविवाहित भागीदारी या समलैंगिक संबंध भी शामिल: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। देश की सर्वोच्च अदालत ने पारिवारिक संबंधों को लेकर एक महत्वपूर्ण फैसला में कहा कि परिवार के पारंपरिक अर्थ का विस्तार किया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पारिवारिक संबंधों में अविवाहित भागीदारी या समलैंगिक संबंध भी शामिल हैं। असामान्य पारिवारिक इकाइयां भी कानून के समान संरक्षण की हकदार हैं। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस एएस बोपन्ना की पीठ ने फैसले में कहा कि कानून और समाज दोनों में 'परिवार' की अवधारणा की प्रमुख समझ यह है कि इसमें माता और पिता और उनके बच्चों के साथ एक एकल, अपरिवर्तनीय इकाई होती है। कोई घर पति या पत्नी की मृत्यु, अलगाव, या तलाक सहित कई कारणों से एकल माता-पिता का घर हो सकता है। इसी तरह बच्चों के अभिभावक और देखभाल करने वाले पुनर्विवाह, गोद लेने या पालन-पोषण के साथ परिवर्तन कर सकते हैं। प्रेम और परिवारों की ये अभिव्यक्तियां विशिष्ट नहीं हो सकती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 16 अगस्त को दिए एक फैसले में ये कहा कि ये टिप्पणियां केंद्र सरकार की एक कर्मचारी को मातृत्व अवकाश की राहत देते हुए की गई हैं, कहा गया कि-कानून के काले अक्षर को पारंपरिक लोगों से अलग वंचित परिवारों पर भरोसा नहीं करना चाहिए। निस्संदेह उन महिलाओं के लिए सच है, जो मातृत्व की भूमिका निभाती हैं, जो लोकप्रिय कल्पना में जगह नहीं पा सकती हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने राफेल मामले में फिर से जांच कराने वाली याचिका रदद की

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने राफेल मामले में फिर से जांच कराने वाली याचिका को रद्द कर दिया है। याचिका में उस रिपोर्ट को आधार बनाकर दुबारा जांच की मांग की गई थी, जिसमें फ्रांस के कुछ न्यूज पोर्टल पर मामले में दसॉल्ट एविएशन के द्वारा भारतीय बिचौलिए को घूस देने का दावा किया जा रहा है। दरअसल, वरिष्ठ अधिवक्ता एमएल शर्मा द्वारा दायर जनहित याचिका में फ्रांस की न्यूज वेबसाइट पर प्रकाशित कुछ रिपोर्ट के आधार पर राफेल मामले की दुबारा जांच कराने कीमांग की गई थी। न्यूज पोर्टल में दावा किया जा रहा है कि राफेल सौदे में दसॉल्ट एविएशन ने भारतीय बिचौलिए को मोटी रकम दी थी।
भारत के मुख्य न्यायाधीश यूयू ललित की अध्यक्षा वाली पीठ ने अधिवक्ता शर्मा द्वारा दायर जनहित याचिका को खारिज कर कहा, न्यायालय द्वारा इस मामले में हस्तक्षेप के लिए कोई औचित्य नहीं बनता है। मामले में अपना पक्ष रखते हुए अधिवक्ता शर्मा ने न्यायालय से गुहार लगाते हुए कहा है कि एक दिन ऐसा आएगा जब हर व्यक्ति खुद को असहाय महसूस करेगा। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार पर सवाल उठाने के लिए कोई सामने नहीं आया। इसपर सीजेआई ने कहा कि हमने पहले ही आदेश पारित कर दिया है। बहस के बाद बीएल शर्मा ने याचिका को वापस लेने की मांग की। इसपर बेंच ने आदेश को बदलते हुए याचिका को वापस लेने की अनुमति दे दी।

भारी बारिश से देहरादून में ढ़हा मकान, मलबे में दबने से 8 दिन के बच?चे सहित तीन लोगों की मौत

देहरादून । पहाड़ों में मूसलाधार बारिश कोहराम मचा रही हैं। मौसम विभाग केंद्र के भारी बारिश के अलर्ट के बीच देहरादून के राजपुर रोड में आवास ढहने से एक बच?चे सहित तीन लोग मलबे में दबे गए। तीनों के शव बरामद किए जा चुके हैं। देहरादून के राजपुर क्षेत्र काठ बंगला बस्ती आवास ढहने से आठ दिन बच?चे सहित तीन लोग मलबे में दब गए थे। तीनों के शव बरामद किए जा चुके हैं। वहीं देर रात हुई बारिश से काठ बंगला बस्ती में घर ढह गया था। सूचना पर राहत एवं बचाव दल मौके पर पहुंचा और मलबे में दबे लोगों को निकालने का काम शुरू किया गया। सिटी मजिस्ट्रेट कुसुम चौहान और जिलाधिकारी सोनिका भी घटनास्थल पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव कार्य का जायजा लिया। रेस्क्यू टीम द्वारा मलबे में दबे बच्चे सहित दो महिलाओं के शव बरामद कर लिए गए हैं। जिलाधिकारी सोनिका ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को तीनों शवों के पोस्टने के पोस्टमॉर्टम करने के निर्देश दिए। संगीता पत्नी दिनेश उम्र 22 वर्ष, लक्ष्मी दिनेश की बहन उम्र 28 वर्ष और दिनेश का आठ दिन का बच्चा मलबे में दबा बताया जा रहा है। वहीं अपर जिलाधिकारी केके मिश्रा एवं डॉक्टर एसके बरनवाल सहित संबंधित अधिकारी आपदा कंट्रोल रूम से राहत एवं बचाव कार्य की जानकारी लेते हुए आवश्यक कार्य कर रहे हैं। वहीं मसूरी देहरादून हाईवे पर गलेगी धार में भी सड़क पर लगातार पहाड़ी से मलबा आ रहा है। सड़क के दोनों ओर जेसीबी तैनात है जो मलबा हटा रही है। फिलहाल यहां रुक-रुक का यातायात चालू है। रविवार से हो रही बारिश की वजह से मसूरी का कैम्पटी फॉल फिर विकराल हो गया है। पिछले 16 घंटे से अधिक समय से हो यहां रही मूसलाधार बारिश हो रही है। जिस कारण कैम्पटी फॉल सहित सभी बरसाती नाले उफान पर हैं। थानाध्यक्ष कैम्पटी शांति प्रसाद चमोली ने बताया की बीती शाम चार बजे से ही पर्यटकों का झरने में प्रवेश बंद कर दिया गया था। यहां अभी भी फॉल का जलस?तर काफी बढ़ा हुआ है।

गरबा, यूनेस्को की विरासत सूची में नामित

नई दिल्ली । गुजरात के पारंपरिक नृत्य गरबा को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में, शामिल करने के लिए चयनित किया गया है. पिछली बार दुर्गा पूजा उत्सव को इस सूची में शामिल किया गया था। भारत और दुनिया का सबसे लोकप्रिय नृत्य गरबा भी अब यूनेस्को की सूची में स्थान बनाने जा रहा है। अभी तक यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में रामलीला कुंभ मेला सहित 14 भारतीय पारंपरिक सांस्कृतिक आयोजन शामिल हो चुके हैं। विश्व में विविधता के साथ पहचान बनाने के लिए भारत की गौरवशाली परंपराओं को सूचीबद्ध कराने के लिएअब सजगता आ गई है। जिसके कारण भारत की संस्कृति और पर्यटन में लगातार विश्व स्तर पर इजाफा देखने को मिल रहा है।

घट-बढ़ के बीच देश में कोरोना उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 84,931 हुई

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस की घट-बढ़ के बीच बीते 24 घंटे में संक्रमण के 7,591 नए मामले सामने आने के बाद मरीजों की संख्या बढ़कर 4,44,15,723 हो गई, जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 84,931 रह गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सोमवार सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में संक्रमण से 30 और लोगों की मौत होने के बाद मृतक संख्या बढ़कर 5,27,799 हो गई। इनके अलावा मौत के आंकड़ों का पुन- मिलान करते हुए केरल ने संक्रमण से जान गंवाने वालों की सूची में 15 और लोगों के नाम डाले। आंकड़ों के अनुसार, देश में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 84,931 रह गई है, जो कुल मामलों का 0.19 प्रतिशत है। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर बढ़कर 98.62 प्रतिशत हो गई। दैनिक संक्रमण दर 4.58 प्रतिशत, जबकि साप्ताहिक संक्रमण दर 2.69 प्रतिशत है। देश में अभी तक कुल 4,38,02,993 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं और कोविड-19 से मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत है। वहीं, राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 211.91 करोड़ खुराक दी जा चुकी हैं। गौरतलब है कि देश में सात अगस्त 2020 को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर 2020 को ये मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे।

दशहरा रैली को लेकर आमने-सामने उद्धव और शिंदे गुट, पूर्व सीएम ने किया बड़ा ऐलान

मुंबई। (एजेंसी)।

महाराष्ट्र में राजनीतिक हलचल पिछले कई दिनों से तेज बनी हुई है। महाराष्ट्र में सत्ता परिवर्तन के बाद शिवसेना को लेकर उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे आमने-सामने हैं। अब दोनों गुट दशहरा रैली को लेकर आपस में भिड़ चुके हैं। उत्तर ठाकरे गुट का दावा है कि दशहरा रैली शिवसेना की थी और यह रहेगी भी। वहीं, आज उद्धव ठाकरे ने साफ तौर पर कह दिया है कि महाराष्ट्र में दशहरा रैली शिवाजी पार्क में की जाएगी। इसमें राज्य भर के शिवसैनिक हिस्सा लेंगे। इसके साथ ही उद्धव ठाकरे ने यह भी कहा कि मुझे पता नहीं है कि सरकार इस रैली की इजाजत देगी या नहीं देगी। इससे पहले आदित्य ठाकरे ने दावा किया था कि सरकार ने अभी तक दशहरा सभा की अनुमति उनकी पार्टी को नहीं दी है।

दूसरी ओर शिंदे गुट का दावा है कि उद्धव गुट को दशहरा रैली करने का अधिकार ही नहीं है। शिंदे गुट ने कहा है कि हिंदुत्व को उद्धव ठाकरे ने त्याग दिया है। ऐसे में उनके पास इस रैली को लेकर अधिकार ही नहीं है। हालांकि, शिंदे गुट की ओर से यह भी कहा गया है कि मुख्यमंत्री जल्द ही दशहरा रैली को लेकर निर्णय लेंगे। आपको बता दें कि उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे की ओर से शिवसेना पर कब्जे की कवायत लगातार जारी है। वर्तमान में देखे तो एकनाथ शिंदे गुट में शिवसेना के 40 विधायक और 12 सांसद हैं। वही उद्धव ठाकरे के साथ संगठन के नेता हैं। असली शिवसेना का अधिकारी कौन, फिलहाल यह मामला कोर्ट में है। इसको लेकर लगातार सुनवाई चल रही है।

आपको बता दें कि हर साल शिवसेना शिवाजी पार्क में दशहरा रैली करती आई है। यहां पार्टी प्रमुख अपने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हैं। राज्य के अलग-अलग हिस्सों से शिवसैनिक शिवाजी पार्क में बड़ी संख्या में शामिल होते हैं। पिछले 2 साल में कोरोना वायरस की वजह से यह रैली नहीं हो सका है। इस बार दोनों गुटों की ओर से इस रैली को करने का दम दिखाया जा रहा है। शिवसेना से बगावत के बाद एकनाथ शिंदे राज्य के मुख्यमंत्री बने हैं। उन्होंने उद्धव ठाकरे की जगह ली है। ऐसे में उनकी ओर से दावा किया जा रहा है कि असली शिवसेना उन्हीं के पास है और वह बाला साहब ठाकरे के विचारों को आगे बढ़ा रहे हैं। दूसरी और उद्धव ठाकरे गुट का दावा है कि असली शिवसेना तो उनके पास है।

सियासी संकट के बीच कांग्रेस प्रभारी से सीएम सोरेन की मुलाकात

रांची (एजेंसी)।

झारखंड का स्टेट गेस्ट हाउस सीएम आवास के बाद राजनीति का केंद्र बिंदु रहा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खुद स्टेट गेस्ट हाउस पहुंचे और कांग्रेस के झारखंड प्रभारी अविनाश पांडेय से मुलाकात की। बंद कमरे में दोनों के बीच 55 मिनट तक मुलाकात चली। इस पर न तो मुख्यमंत्री ने कुछ कहा और न ही कांग्रेस प्रभारी की ओर से कोई आधिकारिक बयान आया। इसके अलग-अलग राजनीतिक मायने भी निकाले जा रहे हैं। महागठबंधन के बीच जो संशय उत्पन्न हुई थी और जो गिले-शिकवे थे उसे इस मुलाकात से दूर कर लिया गया है। इसके बाद कांग्रेस-झामुमो कोटे के मंत्री-विधायकों की संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस सीएम हाउस में हुए। वहीं, महागठबंधन विधायक दल की भी बैठक हुई, जिसमें कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडेय भी मौजूद रहे। कांग्रेस विधायकों के एक दिन पहले लगेज के साथ सीएम हाउस पहुंचने और रांची से बाहर जाने पर आलाकमान ने नाराजगी जतायी है। विधायकों के राज्य से बाहर जाने तक की बात सामने आ रही थी, लेकिन कांग्रेस आलाकमान के हस्तक्षेप के बाद विधायकों को लगेज छोड़ खूंटी से ही पिकनिक मनाकर लौटना पड़ा। सूत्रों की मानें तो कांग्रेस आलाकमान की नाराजगी को दूर करने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खुद कांग्रेस के झारखंड प्रभारी अविनाश पांडेय से मिलने पहुंचे थे। अविनाश पांडेय के प्रभारी बनने के बाद यह पहला मौका है जब मुख्यमंत्री खुद बिना सूचना के उनसे मिलने पहुंचे। इससे पहले अविनाश पांडेय जब झारखंड कांग्रेस के प्रभारी बने थे तो तीसरी बार रांची का दौरा करने के समय उनकी मुलाकात मुख्यमंत्री से हुई थी। कांग्रेस के झारखंड प्रभारी अविनाश पांडे ने विधायकों और मीडियाकर्मियों से एक-एक कर मुलाकात की।

भूपेंद्र चौधरी की योगी आदित्यनाथ ने जमकर की तारीफ

हाल में ही बनाया गया है यूपी भाजपा का अध्यक्ष

लखनऊ (एजेंसी)।

भाजपा कई राज्यों में अपने संगठन में लगातार परिवर्तन कर रही है। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश में भाजपा की ओर से भूपेंद्र सिंह चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। भूपेंद्र सिंह चौधरी योगी सरकार में मंत्री भी हैं। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह का कार्यकाल खत्म हो चुका था। पिछले काफी समय से भाजपा की ओर से प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए कई नामों की चर्चा चल रही थी। लेकिन पार्टी आलाकमान ने भूपेंद्र चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष बनाया। आज भूपेंद्र चौधरी के लखनऊ आगमन पर एक कार्यक्रम था। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ-साथ पूर्व प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भी मौजूद रहे। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भूपेंद्र चौधरी की जमकर तारीफ की।

अपने वक्तव्य में भूपेंद्र चौधरी की क्षमता पर योगी ने विश्वास जताते हुए कहा कि उन्हें प्रदेश का हर कार्यकर्ता जानता है और उनके प्रदेश अध्यक्ष बनने से संगठन को मजबूती मिलेगी। योगी ने कहा कि मैं सबसे पहले भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता और प्रदेश सरकार के वरिष्ठ मंत्री माननीय भूपेंद्र चौधरी जी को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त होने पर प्रदेश के कार्यकर्ताओं की तरफ से बधाई देता हूं। उन्होंने कही कि बूथ स्तर से लेकर के प्रदेश स्तर तक संगठन की जिम्मेदारी को बखूबी निभाने की क्षमता और योग्यता रखने वाले चौधरी भूपेंद्र सिंह जी को प्रदेश का हर कार्यकर्ता जानता है। उनके संगठनात्मक क्षमता को ध्यान में रखकर ही भाजपा ने उन्हें 2-2 बार पश्चिमी क्षेत्र का अध्यक्ष बनाया।

योगी ने कहा कि पिछले 5 वर्ष 6 माह से चौधरी भूपेंद्र सिंह जी ने यूपी सरकार में पहले स्वतंत्र प्रभार के राज्यमंत्री के रूप में और फिर कैबिनेट मंत्री के रूप में अपने दायित्वों का बखूबी निर्वहन किया। बिना किसी प्रोपेगेंडा के कैसे कार्य किया जाता है इसके उदाहरण चौधरी भूपेंद्र सिंह जी हैं। उत्तर प्रदेश के पंचायती राज मंत्री भूपेंद्र सिंह चौधरी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य इकाई के अध्यक्ष नियुक्त होने के बाद सोमवार को नयी दिल्ली से लखनऊ पहुंचे, जहां चारबाग रेलवे स्टेशन पर पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने 25 अगस्त को चौधरी को पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया था। भाजपा के एक पदाधिकारी ने बताया कि चौधरी सोमवार दोपहर शताब्दी एक्सप्रेस से चारबाग रेलवे स्टेशन पहुंचे तो उत्तर प्रदेश सरकार के कई मंत्री, विधायक और सांसदों समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया।

2024 के आम चुनाव में जनता मोदी सरकार को हटने की तैयारी कर चुकी हैं : अखिलेश यादव

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने आरोप लगाकर कहा कि भाजपा सरकार देश को बर्बाद कर रही है। भाजपा सरकार देश को पीछे ले जा रही है। भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए जनता तैयार खड़ी है। भाजपा इन चुनावों के बाद सत्ता से बाहर होगी। अखिलेश यादव ने कहा कि 2024 के आम चुनाव में उत्तर प्रदेश की बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी जनता के बीच जाएगी और जनता को बताएगी कि जो दूसरे राजनीतिक दल हैं, वह सिर्फ वोट काटने के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। अखिलेश ने कहा कि जनता सब देख रही है, वह जानती है कि कौन दल भाजपा से मिले हुए हैं और कौन भाजपा से लड़ रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्षी एकता के लिए वैसे राष्ट्रीय स्तर पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री केसीआर, एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार और पश्चिम पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी लगातार प्रयास कर रही है। इधर बिहार में समीकरण बदला है और वहां के नेता भी प्रयास कर रहे हैं।

सीडब्ल्यूसी बैठक में सोनिया गांधी के सामने जी-23 नेता आनंद शर्मा ने उठा दिया सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

शीर्ष नेतृत्व के लिए की जा रही कांग्रेस की कवायद में असंतुष्ट जी 23 नेताओं का हस्तक्षेप देखने को मिल सकता है। कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव के लिए तारीख तय कर दी गई है। रविवार को हुई कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में इस बात पर चर्चा हुई और 17 अक्टूबर को वोटिंग कराने का फैसला लिया गया। 19 अक्टूबर को वोटों की गिनती होगी और रिजल्ट का ऐलान किया जाएगा। यदि कोई एक ही नेता अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए आवेदन करता है तो फिर 8 अक्टूबर को ही रिजल्ट घोषित कर दिया जाएगा। लेकिन इस दौरान भी अलग ही नजारा देखने को मिला। जी-23 ग्रुप के सदस्य और सीनियर नेता आनंद शर्मा ने मीटिंग में इस बात पर ऐतराज जताया कि निचले स्तर पर पदाधिकारियों के लिए चुनाव नहीं होता है। इसके अलावा उन्होंने उन प्रतिनिधियों की लिस्ट भी मुहैया कराने की मांग की, जो अध्यक्ष के चुनाव में हिस्सा लेंगे। इस मीटिंग में सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा ने विदेश से ही वर्चुअल मोड में हिस्सा लिया। इसके अलावा कांग्रेस वर्किंग कमेटी के कुछ सदस्यों ने 24 अकबर रोड से ही हिस्सा लिया। इस दौरान आनंद शर्मा ने चुनाव पर सवाल उठा दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के संविधान के आर्टिकल 8 से 13 में कहा गया गया है कि कांग्रेस की सभी प्राइमरी कमेटियों, बूथ, ब्लॉक और जिला कमेटियों में चुनाव होना चाहिए। उन्होंने इस मामले में सोनिया गांधी से दखल देने की मांग की। इस पर सोनिया गांधी ने चुनाव समिति के मुखिया मधुसूदन मिस्त्री से कहा कि वह आनंद शर्मा की चिंताओं को दूर करें। आनंद शर्मा ने बताया कि मैंने संविधान के तहत ही बदलाव की मांग की थी। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि सोनिया गांधी ने मेरी बात को सुना और मधुसूदन मिस्त्री से उस पर काम करने को कहा। वहीं मिस्त्री का कहना है कि अध्यक्ष पद के चुनाव में शामिल होने वाले प्रतिनिधियों की लिस्ट प्रत्याशियों की ही मिल सकती है।

गुलाम नबी आजाद की दो टूक, भाजपा में नहीं होंगे शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

जम्मू-कश्मीर के वरिष्ठ नेता और पूर्व सीएम गुलाम नबी आजाद कांग्रेस से मुक्त हो गए और उसके बाद उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर चर्चाएं गर्म हैं ऐसे में उन्होंने एक बार फिर साफ कर दिया कि वे भाजपा में शामिल नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि उनकी बीजेपी में शामिल होने का कोई इरादा नहीं है। इतना ही नहीं उन्होंने कहा कि वे अपनी खुद की पार्टी का गठन करेंगे और जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव में उतरेंगे।

एक मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, कांग्रेस नेताओं द्वारा बीजेपी से गठबंधन के कयासों को गुलाम नबी आजाद ने मूर्खतापूर्ण विचार बताया। गुलाम नबी आजाद ने कहा कि एक कश्मीरी भाजपा में कैसे शामिल हो सकता है? उन्होंने कहा, मुझे ऐसे कयासों से घृणा है। कांग्रेस को लेकर उन्होंने कहा, 'मैं अपने कॉलेज के दिनों से इस पार्टी का हिस्सा रहा हूं। मैं कभी बीजेपी में शामिल नहीं होऊंगा। मैं कश्मीर चुनाव के लिए अपनी पार्टी बनाऊंगा।'

उन्होंने कांग्रेस के नए नेताओं को चापलूस करार देते हुए कहा कि उन्हें लगता है कि आजाद ने कहा कि वरिष्ठ नेताओं का अनुभव राहुल गांधी के लिए कोई मायने नहीं रखता। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पार्टी को 'भारत जोड़ो' के बजाय 'कांग्रेस जोड़ो' अभियान शुरू करना चाहिए। कांग्रेस को 19 अक्टूबर को एक नया अध्यक्ष मिलेगा। हालांकि, गुलाम नबी आजाद ने कहा कि नया अध्यक्ष केवल गांधी परिवार की कठपुतली होगा।

गुलाम नबी आजाद ने पिछले दिनों कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था। कांग्रेस की अध्यक्ष सोनिया गांधी को भेजे गए इस्तीफे में आजाद ने

राहुल गांधी पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था, राहुल अपने आस-पास अनुभवहीन लोगों को रखते हैं और वरिष्ठ नेताओं को साइडलाइन कर दिया। आजाद ने कहा था, ऐसा लगता है कि कांग्रेस में राहुल गांधी के सुरक्षाकर्मी और पर्सनल स्टाफ ही सारे फैसले ले रहे हैं। दुर्भाग्य से राहुल गांधी के राजनीति में आने के बाद जब उन्हें पार्टी का उपाध्यक्ष बनाया गया था, उन्होंने कांग्रेस के कार्य करने के तौर-तरीकों को खत्म कर दिया। उन्होंने संपूर्ण सलाहकार तंत्र को ध्वस्त कर दिया।

बिहार में बिना परमिशन सीबीआई जांच पर रोक लगाएगी नीतीश सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बिहार में पिछले दिनों सीबीआई ने लैंड फॉर जॉब स्कैम के मामले में छापेमारी की थी। इस दौरान आरजेडी के कई नेताओं के घरों और अन्य ठिकानों पर छापे मारे गए थे। इस बीच खबर है कि बिहार सरकार सीबीआई को जांच की मंजूरी पर रोक लगा सकती है। यदि ऐसा होता है तो सीबीआई को बिहार में जांच के लिए पहले राज्य सरकार से इजाजत लेनी होगी। इससे पहले बंगाल और कई अन्य राज्यों ने भी ऐसा फैसला लिया था। बता दें कि आरजेडी, जेडीयू और कांग्रेस का सत्ताधारी गठबंधन लगातार यह आरोप लगाता रहा है कि केंद्र सरकार सीबीआई का बेजा इस्तेमाल कर रही है। स्पेशल पुलिस एस्टेबलिशमेंट ऐक्ट, 1946 के तहत सीबीआई का गठन हुआ था। इसके मुताबिक सीबीआई के लिए यह जरूरी है कि वह किसी भी राज्य में जांच के लिए पहले प्रदेश सरकार से अनुमति ले। अब तक 9 राज्यों ने सीबीआई को दी यह मंजूरी वापस ले ली है। इन राज्यों में पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, राजस्थान, पंजाब, मेघालय शामिल हैं। ऐसे राज्यों की संख्या इनमें ज्यादा हैं, जो विपक्ष द्वारा शासित हैं।

गुजरात में चुनावी तैयारियों में जुटी भाजपा, पार्टी कार्यालय पहुंचकर नरेंद्र मोदी ने नेताओं को दिया जीत का मंत्र

अहमदाबाद (एजेंसी)।

गुजरात में इस साल प्रस्तावित विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा अपनी तैयारी में जुट चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को गुजरात दौरे पर थे, जहां पर उन्होंने तमाम कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अचानक कि भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंच गए। प्रधानमंत्री ने श्री कमलम में भाजपा नेताओं के साथ एक बड़ी बैठक की। आगामी चुनाव को लेकर यह बैठक काफी अहम मानी जा रही है। बताया जा रहा है कि यह बैठक लगभग 2 से ढाई घंटों तक चली। इस बैठक में मौजूद नेताओं को प्रधानमंत्री ने गुजरात चुनाव को लेकर जीत का मंत्र दिया। हालांकि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तर प्रदेश चुनाव में पता हासिल करने के बाद से ही गुजरात को लेकर सक्रिय हैं। उस दौरान भी नरेंद्र मोदी अचानक ही भाजपा दफ्तर पहुंच गए थे और पार्टी नेताओं को संबोधित किया था।

गुजरात में इस साल होने वाला चुनाव भाजपा के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। भाजपा के सामने वहां अपनी सत्ता बचाने की चुनौती है। यही कारण है कि भाजपा अब अपनी तैयारियों में जुट चुकी है। गुजरात में भाजपा लंबे समय से सत्ता में है। राज्य में अब तक कांग्रेस और भाजपा के बीच ही टक्कर होती रही है। लेकिन आम आदमी पार्टी के ताकत झोंकने के बाद से वहां का चुनाव काफी दिलचस्प होता दिखाई दे रहा है। प्रधानमंत्री नेताओं के साथ बैठक में इस बात पर जोर दिया कि इस बार के चुनाव में वरिष्ठ और नए नेताओं के मिश्रन के साथ पार्टी को मैदान में करना चाहिए। पीएम मोदी की ओर से नेताओं से यह भी कहा गया है कि गुजरात को लेकर जो दुष्प्रचार किया जा रहा है उसके खिलाफ एक रणनीति के तहत जवाब दें।

आपको बता दें कि गुजरात में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल लगातार शिक्षा, रोजगार और विकास को लेकर सवाल उठा रहे हैं। यही कारण है कि बीजेपी अब सीधे तौर पर उन्हें घेरने की तैयारी में जुट चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक बैठक के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल, पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी, वरिष्ठ नेता और राज्य के शिक्षा मंत्री जीतू वघानी सहित कई नेता मौजूद

रहे। कुल मिलाकर देखे तो गुजरात में इस बार भाजपा हर हाल में चुनाव जीतने की कोशिश में करेगी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कमल छोडा और झाड़ी पकड़ी

AAP में जोइन्ट सेक्रेटरी राजकुमार सिंह, शहर उपाध्यक्ष डॉ.अमित दुबे के द्वारा 1100 कार्यकर्ता के साथ में जयसिंह ने आम आदमी पार्टी में सामेल हुए.

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत विधानसभा चुनाव को लेकर सियासत गरमा गई है. सभी दल कार्यकर्ताओं और मतदाताओं को लुभाने के लिए प्रयास कर रहे हैं. फिर आम आदमी पार्टी ने बीजेपी के गढ़

में छेद करना शुरूकर दिया है. उधना क्षेत्र के लगभग 1100 भाजपा कार्यकर्ता और नेता आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए हैं। बीजेपी छोड़कर आप में शामिल हुए जयसिंह राजपूत ने कहा कि नौ साल बीजेपी में रहने के बावजूद कोई काम नहीं हुआ, इसलिए इमंदर ने आम आदमी पार्टी को समर्थन देने का फैसला किया है.

सूरत के उधना क्षेत्र से पिछले नौ साल से भाजपा में काम कर रहे जय सिंह राजपूत ने अपने 1100 कार्यकर्ताओं के साथ भाजपा के केसरियो को छोड़ आम आदमी पार्टी की झाड़ू ले ली है. राजपूत ने कहा कि पिछले एक-एक दशक से भाजपा में समय बिताने के बावजूद लोग जितना चाहते थे, वैसा नहीं हो रहा और भ्रष्टाचार भी खूब हो रहा है. मैंने भाजपा छोड़ दी और ईमानदार आम आदमी पार्टी में शामिल हो गया क्योंकि मुझे लगा कि लोगों को भाजपा द्वारा धोखा दिया जा रहा है।

लोगों का मिल रहा है समर्थन

मनोज सोरथिया आम आदमी पार्टी के नेता मनोज सोरथिया ने कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले लोगों को आम आदमी का समर्थन मिल रहा है. लोग बड़ी संख्या में अरविंद केजरीवाल की विकास राजनीति और ईमानदार छवि पर भरोसा कर रहे हैं। आगामी विधानसभा चुनाव में हमारी पार्टी बहुत मजबूती से आगे आएगी और सीधे तौर पर भाजपा से मुकाबला करेगी।

युवा मोर्चा मंत्री समेत पदाधिकारियों ने दिया भाजपा से इस्तीफा

आवारा पशुओं की जगह तंत्र अस्तबल से मवेशी ले जा रहे मालधारी समाज का आक्रोश

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

मालधारी समाज और नगर पालिका के बीच खींचतान बढ़ती जा रही है। मालधारी समाज का कहना है कि हाईकोर्ट ने जो आदेश दिया है। अस्तबल में आवारा मवेशियों लेकिन मवेशियों पर नियंत्रण जरूरी है। इसे उठाना कितना उचित है। भाजपा शासकों की नीतियों को लेकर मालधारी समाज के आक्रोश के कारण कुछ पदाधिकारियों ने भाजपा से इस्तीफा दे दिया है।

मालधारी समाज के समर्थन में पार्टी में इस्तीफा भारतीय जनता पार्टी से संबंधित मालधारी समाज के कई पदाधिकारियों ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। धनी समाज के लोग जो भाजपा संगठन में अलग-अलग पदों पर रहकर पार्टी को मजबूत करने का काम कर रहे हैं, पार्टी से नाता तोड़ रहे हैं। उनका मानना है कि आवारा

पशुओं की आड़ में अस्तबल से मवेशी लेकर व्यापारी समाज के साथ अन्याय हो रहा है.

हमारे अस्तबल अवैध नहीं हैं

सूरत के कटारगाम के वार्ड नंबर 8 के युवा मोर्चा के मंत्री मिलन देसाई ने कहा कि आज मैं अपने समाज के हित में बीजेपी के सभी पदों से इस्तीफा दे रहा हूं. मेयर कह सकते हैं कि हमारे अस्तबल अवैध हैं लेकिन हम 1985 से यहां रह रहे हैं और सब कुछ कानूनी है। वे सिर्फ खुद पर अत्याचार कर रहे हैं।

अन्याय के कारण सत्ताधारी दल से इस्तीफा देने वाले

अश्विन रबारी ने कहा कि मैं कटारगाम विधानसभा में सोशल मीडिया सपोर्ट इंचार्ज के रूप में भारतीय जनता पार्टी से जुड़ा था लेकिन उच्च न्यायालय के नाम पर नगर पालिका जिस तबाही से गुजर रही है. पिछले कुछ दिनों के आदेश को स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

यह हमारे समाज के लिए एक बड़ी समस्या है। मेरा व्यक्तिगत रूप से मानना है कि अगर शोर के कारण भाजपा सरकार हमारे साथ अन्याय कर रही है तो हमें इस पार्टी में किसी भी पद पर रहना चाहिए न कि मुझे। इसलिए आज मैंने अपने सभी भाजपा पदों से इस्तीफा दे दिया है, मैंने सोशल मीडिया पर एक ट्वीट के माध्यम से महामंत्री को भी बताया है।

मैं अपने समाज के साथ खड़ा हूं राजूभाई रबारी ने कटारगाम क्षेत्र के बालाजी सोसायटी के मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। शासक हमारे कानूनी अस्तबल से भी हमारे मवेशियों को ले जा रहे हैं जो सही नहीं है। आवारा मवेशियों को पकड़ा जाए और हम भी निगम को सहयोग कर रहे हैं लेकिन यह कितना मनमाना है कि हमारे बंधे मवेशियों को भी हाईकोर्ट के आदेश की आड़ में परेशान किया जा रहा है.

8 महानगर पालिकाओं के आउटग्रोथ क्षेत्रों के विकास कार्यों के लिए किया 50 करोड़ रुपए का आवंटन

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गांधीनगर,मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य की आठ महानगर पालिकाओं के आउटग्रोथ क्षेत्रों के विकास कार्यों के लिए 50 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। मुख्यमंत्री द्वारा आउटग्रोथ क्षेत्रों के विकास कार्यों के लिए स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के अंतर्गत आवंटित रकम में अहमदाबाद को 18.53 करोड़ रुपए, सूरत को 15.12 करोड़, वडोदरा को 5.67 करोड़, राजकोट को 4.48 करोड़, भावनगर को 2.09 करोड़, जामनगर को 1.98 करोड़, जूनागढ़ को 1.04 करोड़ तथा गांधीनगर को 1.07 करोड़ रुपए की रकम शामिल है। राज्य के महानगर पालिका क्षेत्रों तथा आउटग्रोथ क्षेत्रों की आबादी को ध्यान में रखते हुए आवंटित की गई आउटग्रोथ क्षेत्र विकास कार्यों की इस रकम से पानी, ड्रेनेज, सड़क और स्ट्रीट लाइट जैसे बुनियादी ढांचा सुविधाओं के कार्य किए जाएंगे।

गुजरात म्युनिसिपल फाइनेंस बोर्ड (जीएमएफबी) और गुजरात अर्बन डेवलपमेंट मिशन (जीयूडीएम) की ओर से इन आउटग्रोथ क्षेत्रों के विकास कार्यों के लिए वित्तीय आवंटन का प्रस्ताव मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया गया था। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने राज्य के महानगरों और नगरों के आउटग्रोथ क्षेत्रों में विकास के विभिन्न कार्यों तथा नागरिक सुख-सुविधाओं से संबंधित बुनियादी ढांचा के कार्यों को तेजी देने के लिए स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के अंतर्गत आउटग्रोथ क्षेत्र विकास कार्यों के लिए अब तक 637.50 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के अंतर्गत आउटग्रोथ क्षेत्रों के लिए आवंटित किए जाने वाले अनुदान की यदि बात करें तो 2016-17 से अब तक राज्य की महानगर पालिकाओं के लिए 549.92 करोड़ रुपए तथा नगर पालिकाओं के लिए 87.58 करोड़ रुपए की भारी-भरकम रकम आवंटित की गई है।

महंगाई और बेरोजगारी के लिए मोदी सरकार की गलत आर्थिक नीतियां जिम्मेदार : कांग्रेस

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

कांग्रेस ने देश में महंगाई और बेरोजगारी के लिए केन्द्र सरकार की गलत आर्थिक नीतियों को जिम्मेदार बताया और कहा कि ऐसा लगता है जैसे महंगाई और बेरोजगारी पीएम मोदी के भाई हैं। महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे पर सरकार को घेरने के लिए जून 2021 से अब तक सात बार देशव्यापी प्रदर्शन कांग्रेस ने किए हैं और आगामी 4 सितंबर को फिर एक बार दिल्ली के रामलीला मैदान में हल्ला बोल किया जाएगा। जिसमें राहुल गांधी समेत देशभर के नेता शामिल होंगे। इस संदर्भ में गुजरात प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव गांधी भवन में पत्रकार परिषद हुई, जिसमें महाराष्ट्र की पूर्व मंत्री यशोमती ठाकुर ने कहा कि 2019 में मतदाताओं को मोदी जी ने वचन दिया था, खाद्यान्न, दही, लस्सी और छांछ जैसी आवश्यक वस्तुओं को जीएसटी के दायरे से बाहर रखेंगे। लेकिन 2022 में उन्होंने इन सभी वस्तुओं पर जीएसटी लगा दिया। 2019 में उज्जवला योजना का भरपूर प्रचार किया और चुनाव के बाद गैस पर दी जानेवाली सब्सिडी भी खत्म कर दी।

विधर्मी युवक ने युवती को फांसकर परिवार का कराया धर्म परिवर्तन,पिता का आत्महत्या का प्रयास

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

बनासकांठा,डीसा के मालगढ़ गांव में धर्म परिवर्तन की घटना सामने आई है। जिसमें विधर्मी युवक ने कॉलेजियन युवती को फांसकर उसके पूरे परिवार का धर्म परिवर्तन करा दिया। जिससे आहत होकर युवती के पिता ने आत्महत्या का प्रयास किया। पीड़ित की शिकायत के आधार पर पुलिस ने 5 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक बनासकांठा जिले की डीसा तहसील के मालगढ़ निवासी युवती रसाणा कॉलेज में पढ़ाई करती है। डीसा के राजपुर गवाडी के एजाज शेख नामक शख्स ने युवती को पहले अपने प्रेमजाल में फांसा और बाद में युवती समेत उसकी माता और भाई का धर्म परिवर्तन करवा दिया। इतना ही नहीं एजाज ने युवती के भाई से हाईकोर्ट में पिटिशन दाखिल करवाई और सभी लोगों रहने के लिए अलग ले गया। युवती के पिता ने जब अपनी बेटी, पत्नी और पुत्र को वापस भेजने की मांग तो एजाज ने धर्म परिवर्तन का उन दबाव डालते हुए रु 25 लाख की मांग की। जिसके बाद युवती के पिता ने आत्महत्या का प्रयास किया। इस संदर्भ में परिवार ने पालनपुर पूर्व पुलिस थाने में एजाज मुस्तुफा शेख, मुस्तुफा पापा शेख, आलम पापा शेख, सत्तार अब्दुल हाजीर और सोहिल सत्तार शेख के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवा दी। जिसके आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरूकी है ।